शुक्रवार
22 मई -2026
वर्ष 10, अंक 257
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

इबोला को लेकर भारत में हाई अलर्ट !

● स्वास्थ्य मंत्रालय ने लागू किए सख्त स्क्रीनिंग नियम ● एयरपोर्ट पर ही विदेशों से आने वालों की होगी जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफ्रीकी देशों में फैल रहे इबोला वायरस के प्रकोप को देखते हुए भारत सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत आने वाले महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवा ने विदेशों, विशेषकर इबोला प्रभावित देशों जैसे कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान से आने वाले यात्रियों के लिए एयरपोर्ट्स पर सख्त स्क्रीनिंग और निगरानी नियम लागू कर दिए हैं। हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत में अब तक इबोला का एक भी मामला सामने नहीं आया है, और यह कदम केवल एहतियात के तौर पर उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एयरपोर्ट, पोर्ट और देश के सभी एंट्री पॉइंट्स पर स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल जारी किए हैं। यह कदम उन यात्रियों के लिए उठाया गया है जो हाई-रिस्क देशों से भारत आ रहे हैं या वहां से ट्रांजिट होकर आ रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने खास तौर पर डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और साउथ सूडान से आने वाले यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इन देशों से आने या वहां से होकर यात्रा करने वाले लोगों को अगर बुखार, कमजोरी, थकान, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त, गले में खराश या बिना वजह ब्लीडिंग जैसे लक्षण महसूस हों, तो उन्हें इमिग्रेशन चेक से पहले एयरपोर्ट हेल्थ ऑफीसर या हेल्थ डेस्क पर रिपोर्ट करने को कहा गया है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दिए गए निर्देश

स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को हर स्तर पर तैयार रहने के निर्देश दिए गए। इसमें प्री-अराइवल और पोस्ट-अराइवल स्क्रीनिंग, क्वारंटाइन प्रोटोकॉल, मरीजों के इलाज, रेफरल सिस्टम और लैब टेस्टिंग से जुड़े स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर साझा किए गए। साथ ही निगरानी व्यवस्था, समय पर रिपोर्टिंग और तय स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारी पर जोर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

'मेलोडी' केमिस्ट्री पर भारत में सियासी घमासान !

● टॉफी डिप्लोमेसी को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने इटली यात्रा के दौरान वहां की प्रधानमंत्री मेलोनी साथ हुई टॉफी डिप्लोमेसी ने भारत में एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। पीएम मोदी द्वारा मेलोनी भारत की फेमस मेलोडी टॉफी गिफ्ट करने का वीडियो फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद देश में विपक्ष ने सरकार पर चौतरफा हमला बोल दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि देश जब गंभीर आर्थिक संकट और महंगाई से जूझ रहा है, तब पीएम विदेशों में रील बनाने और टॉफी बांटने में व्यस्त हैं। वहीं, राहुल गांधी के इन बयानों पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इसे कांग्रेस की मेड इन इंडिया उत्पादों और देश के बढ़ते वैश्विक कद से नफरत करार दिया है। गौरतलब है कि पीएम मोदी इटली यात्रा के दौरान जिस पार्ले टॉफी मेलोडी का पैकेट गिफ्ट किया, वह उसी नाम उसी नाम से मिलता-जुलता था जिसे इंटरनेट पर तीन साल से दोनों प्रीमियर के बीच की दोस्ती कहा जा रहा था। जब भी दोनों मिले हैं, यह ऑनलाइन ट्रेंड्स में बार-बार आता रहा है। इसे ऑफिशियल एंडोर्समेंट के करीब तब मिला जब मेलोनी ने दिसंबर 2023 में मीटिंग के दौरान मोदी के साथ अपनी एक सेल्फी पर इसे हैशटैग के तौर पर इस्तेमाल किया। वहीं अब पीएम मोदी ने मेलोनी को यह चाकलेट देकर राजनीतिक विवाद शुरू कर दिया है।

600 करोड़ की जमीन, 500 झुग्गियां और ईद का त्योहार

● मुंबई में बुलडोजर ऐक्शन के दौरान जमकर भड़की हिंसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा हरी झंडी के बाद मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर में पश्चिमी रेलवे द्वारा अब तक का सबसे बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू किया है। मंगलवार को शुरू हुआ यह अतिक्रमण विरोधथी अभियान बुधवार को हिंसा के बीच भी जारी रहा। अतिक्रमण हटाने का अभियान भारी सुरक्षा तैनाती के साथ शुरू हुआ है। अधिकारियों ने इलाके में

600 करोड़ रुपए जमीन की अनुमानित लागत- रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 5,200 वर्ग मीटर रेलवे भूमि को खाली कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। इस जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 600 करोड़ रुपये है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह अतिक्रमण रेलवे अवसंरचना के खतरनाक रूप से करीब तक फैल गई है, जिसमें हार्बर लाइन की पटरियां और ओवरहेड इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट (ओएचई) के खंभे शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कई बहुमंजिला झुग्गी-झोपड़ी संरचनाएं पास के पैदल पुलों की ऊंचाई से भी ऊपर उठ गई। लगभग 400 पुलिसकर्मी, 400 जीआरपी और आरपीएफ कर्मी और लगभग 200 रेलवे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए, गरीब नगर में प्रवेश करने वाले कई रास्तों को सील कर दिया गया। अतिक्रमण हटाने के दूसरे दिन यानी बुधवार को भारी हिंसा भड़क उठी। बांद्रा ईस्ट स्काईवॉक के पास एक अवैध धार्मिक स्थल को गिराए जाने के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, जिसके जवाब में पुलिस को लाठीचार्ज किया।

पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड की पीओके में हत्या

● अज्ञात हमलावर ने हमजा बुरहान को गोली मारकर उतारा मौत के घाट

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पुलवामा आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक हमजा बुरहान की पीओके में अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी। पुलवामा हमले में भारत के 40 जवान शहीद हो गये थे। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 के पुलवामा हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक जिसमें 40 से ज्यादा सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे उसे पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में कुछ

अज्ञात बंदूकधारियों ने मार गिराया है। डॉक्टर के नाम से मशहूर हमजा बुरहान पर मुजफ्फराबाद में हमला हुआ था और उसके शरीर को गोलियों से छलनी कर दिया गया था। पुलवामा का रहने वाला बुरहान जिसका असली नाम अर्जुमंद गुलजार डार है उसे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 2022 में आतंकवादी घोषित किया था। हमजा बुरहान को पीओके के मुजफ्फराबाद के पास एक घने जंगली इलाके में अज्ञात हमलावरों ने निशाना बनाया गया है। हमलावरों ने उस पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं थीं जिससे कई गोलियां लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वह पिछले कई सालों से पीओके में एक स्कूल टीचर का फर्जी पहचान के साथ रह रहा था।

बंगाल के सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य

● सीएए लागू, बीएसएफ को फेंसिंग के लिए दी जमीन

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य कर दिया है। यह आदेश 19 मई को जारी किया गया। जानकारी गुरुवार को सामने आई। सरकार के आदेश के मुताबिक, यह नियम सरकारी मॉडल मदरसों, सरकारी सहायता प्राप्त और बिना सहायता प्राप्त मदरसों पर तुरंत लागू होगा। नए आदेश के बाद अब क्लास शुरू होने से पहले सुबह की प्रार्थना सभा (असेंबली) में वंदे मातरम गाना जरूरी होगा। इससे पहले मदरसों में सुबह की प्रार्थना के दौरान राष्ट्रगान जन गण मन और कवि गुलाम मुस्तफा की अनंत असीम प्रेममय तुमी (बांग्ला गीत) गाया जाता था। अब सभी मदरसों में वंदे मातरम होगा।

12 दिनों में बंगाल सरकार के 12 बड़े फैसले- भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने और बाड़ (फेंसिंग) लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को 600 एकड़ जमीन 45 दिनों के भीतर दी जाएगी, जिससे सीमा से जुड़ा पुराना विवाद खत्म होगा। सीएए के तहत आने वाले 7 समुदायों और 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए लोगों को नागरिकता कानून का लाभ मिलेगा। पुलिस उन्हें हिरासत में नहीं ले सकेगी। पश्चिम बंगाल सरकार अब केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना से जुड़ गई है, जिसके तहत गरीब परिवारों को मुफ्त इलाज मिलेगा।

अफसरों को केंद्रीय ट्रेनिंग पर भेजने की मंजूरी

पुरानी नीति को बदलते हुए अब राज्य के आईएएस, आईपीएस और डब्लूबीपीएस अधिकारियों को केंद्र सरकार के ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा लेने की इजाजत दे दी गई है। सरकार ने राज्य में नए केंद्रीय आपराधिक कानूनों (जैसे भारतीय न्याय संहिता) को पूरी तरह लागू करने का निर्णय लिया है। ये कानून पुराने आईपीसी और सीआरपीसी की जगह लेंगे, जिन्हें पिछली सरकार ने राज्य में आधिकारिक तौर पर लागू नहीं किया था। साल 2021 की चुनावी हिंसा में मारे गए 321 बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिवारों को सरकारी नौकरी या आर्थिक मदद दी जाएगी। इसके साथ ही सरकार इन मामलों की दोबारा जांच कराने और पीड़ित परिवारों को पूरी कानूनी सहायता देने के लिए भी तैयार है। मदरसा विभाग और अन्य धर्मों से जुड़ी वित्तीय सहायता वाली योजनाओं को जून महीने से बंद करने का फैसला लिया गया है। सरकार अब बिना भेदभाव के काम करेगी।

थलपति विजय के रुटीन ने उड़ाए अफसरों के होश

● 10 बजने से पहले पहुंच जाते हैं सचिवालय

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय ने पद संभालने के बाद से अपनी सख्त समयपालन की आदत से सचिवालय की कार्यसंस्कृति में बदलाव लाना शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री लगातार एक तय समय-सारिणी का पालन कर रहे हैं और सप्ताह के कार्यदिवसों में लगभग सुबह 9.45 से 10.00 बजे के बीच सचिवालय पहुंचते हैं। आमतौर पर शाम 4.30 से 5.00 बजे के बीच आधिकारिक कामकाज पूरा होने के बाद वो कार्यालय छोड़ते हैं। सीएम काफी चर्चा में हैं।

● **अन्य विभागों को भी जारी किए गए आदेश-** इसके तहत उप सचिवों को निर्देश दिया गया है कि वे उपस्थिति रजिस्टर बंद कर 10.00 बजे से पहले उपस्थिति सारांश कार्यालय अनुभाग को सौंपें ताकि उसे संकलित कर अतिरिक्त मुख्य सचिव कार्यालय तक भेजा जा सके। आदेश में चेतावनी दी गई है कि इन नए नियमों का पालन न करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन 'नवजीवन': 25 माओवादी नेताओं ने झारखण्ड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ,झारखंड/

झारखण्ड पुलिस की चौतरफा कार्रवाई और आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत कोल्हान और सारंडा क्षेत्र में सक्रिय भाकपा (माओ) के 25 शीर्ष नेताओं और सदस्यों ने आज आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें संगठन के केन्द्रीय समिति सदस्य मिसिर बेसरा उर्फ सागर जी भी शामिल हैं। इसके अलावा, गुमला जिला में सक्रिय जेजेएमपी के 2 कमांडर और सदस्यों ने भी आत्मसमर्पण किया। झारखण्ड पुलिस के महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह आत्मसमर्पण हुआ है। अब तक 44 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है, 29 नक्सलियों ने

आत्मसमर्पण किया है, और 22 नक्सली पुलिस मुठभेड़ में मारे गए हैं।झारखण्ड पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों में अधिकांश स्थानीय निवासी हैं और वे भाकपा (माओ) के आंतरिक शोषण और पुलिस की दबिश से तंग आकर मुख्य धारा में लौटे हैं। पुलिस ने शेष बचे माओवादियों से अपील की है कि वे हिंसा छोड़कर आत्मसमर्पण करें और झारखण्ड सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं। इस आत्मसमर्पण से झारखण्ड राज्य विशेषकर पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिला और आस-पास के जिलों और राज्य में माओवादियों की गतिविधि पर अंकुश लगेगा।

नये अपराध कानूनों पर समीक्षा बैठक

अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली/

झारखण्ड पुलिस मुख्यालय में दिनांक-21.05.2026 को तदाशा मिश्र, महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड की अध्यक्षता में नये अपराध कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक / पुलिस अधीक्षक ने भाग लिया।

समीक्षा के क्रम में पुलिस महानिदेशक ने सीसीटीएनएस की उपलब्धता, कार्य प्रगति और लंबित डाटा इंट्री कार्यों को जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया।

साथ ही अनुसंधान कार्यों के लिए आवश्यक मोबाइल फोन की खरीद प्रक्रिया की समीक्षा की और डिजिटल साक्ष्यों के संग्रहण एवं ई-साक्ष्य पोर्टल पर साक्ष्यों के समयबद्ध अपलोडिंग करने का निर्देश दिया।

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि समयबद्ध अनुसंधान से न्यायिक प्रक्रिया मजबूत होगी और आम जनता का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास बढ़ेगा। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक, प्रशिक्षण, अभियान और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

'काम नहीं तो नया टेंडर नहीं' ठेकेदारों की मनमानी पर मंत्री दीपिका का शिकंजा

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ,झारखंड/

रांची। झारखंड में वर्षों से अधूरी पड़ी सड़कें, बारिश में टूटते पुल, निर्माण एजेंसियों की मनमानी और काम लटकाकर रेट रिवीजन का खेल। इन शिकायतों के बीच अब राज्य सरकार एक्शन मोड में नजर आ रही है। बुधवार को रांची में हुई ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज विभाग की लंबी समीक्षा बैठक में सरकार का तेवर बेहद सख्त दिखा। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने साफ शब्दों में कहा कि जो एजेंसियां समय पर सड़क निर्माण पूरा नहीं करेंगी, उन्हें अब नए काम मिलना मुश्किल होगा। राज्य स्तर पर ऐसे संवेदकों और एजेंसियों की सूची तैयार कर डिबार करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। रांची स्थित झारखंड सिविल सर्विस ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट के सभागार में हुई इस मैराथन बैठक में सड़क, पुल, अबुआ आवास, पलाश मार्ट, मनरेगा और महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी योजनाओं की विस्तार से समीक्षा हुई। लेकिन सबसे

ज्यादा चर्चा सड़क निर्माण में हो रही देरी और लापरवाही को लेकर रही।

कई जिलों में सालों से अधूरी पड़ी हैं सड़कें- बैठक में जब जिलावार सड़क और पुल निर्माण योजनाओं की समीक्षा शुरू हुई तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आईं। अधिकारियों ने बताया कि कई जिलों में सड़क निर्माण की योजनाएं लंबे समय से अधूरी पड़ी हैं। कई एजेंसियां पुराने काम पूरे नहीं कर पाईं, लेकिन उन्हें दूसरी योजनाएं भी मिलती रहीं। इससे स्थिति ऐसी हो गई कि एक ही एजेंसी के पास कई अधूरे प्रोजेक्ट जमा हो गए। गांवों में लोग सड़क बनने का इंतजार करते रहे, लेकिन काम फाइलों और मशीनों के बीच अटका रहा। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने इस पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों से कहा कि अब ऐसे संवेदकों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सिर्फ कागजों पर नोटिस भेजने से काम नहीं चलेगा। जो एजेंसी काम नहीं कर रही है, उसके खिलाफ सख्त कदम उठाने होंगे।

रेट रिवीजन के खेल पर सरकार की नजर- बैठक में यह मुद्दा भी उठा कि कई मामलों में संवेदक जानबूझकर काम धीमा करते हैं ताकि बाद में निर्माण लागत बढ़ने का हवाला देकर रेट रिवीजन का फायदा लिया जा सके। सरकार अब इस पूरे पैटर्न की जांच कराने जा रही है। हाल के महीनों में जिन योजनाओं में रेट रिवीजन हुआ है, उन्हें विभाग खंगालेगा। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि यह देखा जाए कि कहीं योजनाओं को जानबूझकर लंबित तो नहीं रखा गया। ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज सचिव मनोज कुमार ने भी अधिकारियों को निर्देश दिया कि डेढ़ साल तक अधूरे पड़े कामों की सूची मुख्यालय भेजी जाए। उन्होंने कहा कि रेट रिवीजन को लेकर जल्द स्पष्टतैयार की जाएगी ताकि देरी कर लाभ लेने वालों पर रोक लग सके।

'सड़क निर्माण में समझौता नहीं होगा'- बैठक के दौरान मंत्री का रुख साफ था। उन्होंने कहा कि सड़क और पुल निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग हो और विधायकों की ओर से आने वाली शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाए। मंत्री ने यह भी कहा कि सिर्फ पत्राचार कर मामले को खत्म नहीं किया जाए, बल्कि जरूरत पड़े तो मौके पर जाकर जांच की जाए। उन्होंने कहा कि कई जगह लोग नई सड़क की मांग कर रहे हैं तो कहीं निर्माण में गड़बड़ी की शिकायतें मिल रही हैं। ऐसे मामलों में तय समय के अंदर कार्रवाई जरूरी है।

बारिश से पहले जर्जर पुलों की चिंता- बैठक में एक अहम मुद्दा बारिश के पहले खराब पुलों की स्थिति को लेकर भी उठा। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के क्षतिग्रस्त पुलों की सूची तुरंत तैयार की जाए।

संक्षिप्त समाचार

पीएम की अपील का असर, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने अपना कारकेड़ छोटा किया

सरायकेला, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील का असर अब नेताओं के कारकेड पर भी दिखने लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने खरसावां दौरे के दौरान अपने लंबे काफिले को घटाकर सिर्फ दो वाहनों तक सीमित कर दिया। इससे जुड़ी खबर नीचे पढ़ें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने की अपील पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने भी अपने काफिले (कारकेड) में भारी कटौती की है। बुधवार को पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने खरसावां दौरा के दौरान गाड़ियों का काफिला कम करके सिर्फ दो वाहन का इस्तेमाल किया है। एक सफारी गाड़ी में जहां पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा बैठे थे, वहीं उनके निजी स्टॉफ और सुरक्षा कर्मी एक अन्य इनोवा कार में बैठे नजर आए। पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा के कारकेड में जैमर वाहन और वार्निंग कार भी नहीं था। अमूमन अर्जुन मुंडा के कारकेड में वार्निंग कार, जैमर समेत पांच दर्जन गाडियों का काफिला रहता है। साथ ही एक दर्जन से अधिक सुरक्षा कर्मी भी रहते है। लेकिन प्रधानमंत्री द्वारा पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने की अपील के बाद पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा सिर्फ दो वाहनों के साथ चल रहे है।

चिनिया में अनियंत्रित होकर पलटा ट्रैक्टर, ड्राइवर की मौत

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के गढ़वा जिले के चिनिया थाना क्षेत्र के छतैलिया पावर हाउस के पास बुधवार की शाम करीब 7 बजे एक सड़क हादसा हुआ। यहां एक महिंद्रा डीआई ट्रैक्टर के अनियंत्रित होकर पलट जाने से 22 वर्षीय चालक बिपिन कोरवा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक बिपिन कोरवा, ललू कोरवा का बेटा था। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर चिनिया थाना क्षेत्र के बदन राम का बताया जा रहा है। बुधवार शाम को चालक बिपिन कोरवा ट्रैक्टर से छरी (गिट्टी) गिराकर वापस लौट रहा था। इसी दौरान छतैलिया पावर हाउस के पास खाली ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना भयानक था कि चालक बिपिन ट्रैक्टर के भारी-भरकम इंजन के नीचे बुरी तरह दब गया, जिससे मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और चिनिया थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। ट्रैक्टर के इंजन के नीचे दबे शव को बाहर निकालने के लिए पुलिस और ग्रामीणों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। काफी कोशिशों के बाद शव को किसी तरह बाहर निकाला जा सका। चिनिया थाना प्रभारी बीकु कुमार रजक ने शव को अपने कब्जे में ले लिया।

अवैध कोयला खनन के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के धनबाद जिले के रामकनाली ओपी क्षेत्र के केशलपुर में ग्रामीणों ने अवैध खनन के विरोध में मोर्चा खोल दिया। गांव की मुखिया प्रेमलता कुमारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अवैध मुहाने पर धावा बोला जहां हजारों की संख्या में बोरे में कोयला जमा किया था। अवैध मुहाने पर धावा बोलने से बौखलाए अवैध कोयला कारोबारियों ने दहशत फैलाने के लिए बम फोड़ा। इस घटना से ग्रामीण काफी आक्रोशित हो गए। मजदूरों को ढोने वाली ऑटो को ग्रामीणों ने तोड़ फोड़ दिया। ग्रामीणों का कहना था कि कोयला खनन ग्रामीणों के अस्तित्व को मिटा देगा। उन्होंने कहा कि भू धंसान की घटना जीवन को जोखिम में डाल रही है। प्रशासन को अविलंब अवैध कोयला खनन पर रोक लगाना चाहिए। अवैध कोयला कारोबारी जिस तरह से जमीन के नीचे से कोयला निकाल रहे हैं कभी भी सोनारडीह के टंडाबारी जैसा हम लोगों के साथ हो जाएगा। अवैध मुहाना को बंद कर रहे आक्रोशित ग्रामीणों ने रामकनाली ओपी पहुंचे। पुलिस जवानों के बीच तीखी बकझक भी हुई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया, काफी देर तक ओपी परिसर में हंगामे की स्थिति बनी रही। सूचना मिलने पर ओपी प्रभारी अलीशा कुमारी मौके पर पहुंचीं और मामले को शांत कराया गया।

सीएसआर फंड प्रभावित क्षेत्र के लोगों के विकास कार्यों में हो खर्च : मंत्री

रांची, एजेंसी। उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कंपनियों को निर्देश दिया है कि कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड की राशि का सीधा लाभ फैक्ट्री और माइन्स से प्रभावित क्षेत्र के लोगों को मिलना चाहिए।बुधवार को रांची में आयोजित 'सीएसआर कॉनक्लेव 2026' को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्राथमिकता राज्य का विकास है और सीएसआर राशि का शत-प्रतिशत उपयोग स्थानीय लोगों की स्थिति सुधारने तथा रोजगार के अवसर पैदा करने में होना चाहिए। मंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में विवाह भवन जैसी बुनियादी जरूरतों के निर्माण का सुझाव दिया और घोषणा की कि इसकी निगरानी के लिए जल्द ही एक मॉनिटरिंग सेल का गठन किया जाएगा।कॉनक्लेव में उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने प्रभावित क्षेत्र के लोगों की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर राशि खर्च करने पर जोर दिया। वहीं, उद्योग निदेशक विशाल सागर ने सीएसआर की शर्तों की जानकारी देते हुए बतलाया कि इसमें नेट वर्थ 500 करोड़ और टर्न ओवर 1000 करोड़ और प्रॉफिट 5 करोड़ सालाना की कंपनी सीएसआर के दायरे में आती है।

एसपी का दावा: गुमला हुआ नक्सलमुक्त,

5 लाख के इनामी नक्सली ने किया सरेंडर

गुमला, एजेंसी। झारखंड में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच गुरुवार 21 मई 2026 को रांची में बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इस दौरान करीब 27 उग्रवादियों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला लिया। इनमें गुमला जिले के दो सक्रिय नक्सली भी शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि इन दोनों के सरेंडर के बाद गुमला जिला पूरी तरह नक्सलमुक्त हो गया है।

गुमला पुलिस के अनुसार आत्मसमर्पण करने वालों में एक पांच लाख रुपये का इनामी नक्सली भी शामिल है। उसकी पहचान लिपिन बैद उर्फ युजिन बैद के रूप में हुई है। वह गुमला जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के अंबाकोना गांव का रहने वाला बताया गया है। नक्सली संगठन में उसकी सक्रिय भूमिका रही थी और उस पर कई उग्रवादी मामलों में संलिप्तता के आरोप हैं। वहीं दूसरा नक्सली श्रवण गोप है, जो गुमला थाना क्षेत्र के कलीगा गांव का निवासी है। दोनों लंबे समय से उग्रवादी संगठन से जुड़े हुए थे।

आत्मसमर्पण के दौरान नक्सलियों ने हथियार और गोलियां भी पुलिस के सामने जमा कीं। जानकारी के मुताबिक एक इंसास राइफल समेत अन्य हथियार सुरक्षा बलों को सौंपे गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने इसे नक्सल अभियान में बड़ी सफलता बताया है।

गुमला के पुलिस अधीक्षक हारीश बिन जमा ने कहा कि जिले में लगातार चलाए गए अभियान, सुरक्षा बलों की कार्रवाई और सरकार की पुनर्वास नीति का असर दिख रहा है। उन्होंने दावा किया कि अब गुमला जिला नक्सल प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो चुका है। पुलिस का कहना है कि मुख्यधारा में लौटने वाले नक्सलियों को सरकार की पुनर्वास योजना का लाभ दिया जाएगा ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें।

ऑपरेशन 'नव जीवन': झारखंड में 27 नक्सलियों ने हथियार डाल मुख्यधारा में की वापसी

रांची, एजेंसी। झारखंड में नक्सल फ्रंट पर सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस कड़ी में गुरुवार को रांची स्थित पुलिस मुख्यालय में डीजीपी तदाशा मिश्रा के सामने कुल 27 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। ऑपरेशन 'नव जीवन' के तहत 25 भाकपा माओवादी सदस्य और 2 छत्तीसगढ़ कैडर के नक्सलियों से आत्मसमर्पण करवाया गया।

16 हथियारों के साथ इन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। डीजीपी तदाशा मिश्रा के नेतृत्व में सभी ने हथियार रखते हुए मुख्य धारा में लौटे हैं। इस मौके पर डीजीपी ने कहा- आज स्वागत का दिन है। इसके साथ जो बलिदान रहा हमारे जवानों का उन्हें भी हम सलाम करते हैं।

सारंडा के मंकी फॉरेस्ट में घिरे एक-एक करोड़ के इनामी माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा और सेंट्रल कमेटी मेंबर असीम मंडल के किले में यह बड़ी सेंध है। मिसिर बेसरा सहित बचे हुए अन्य बड़े नक्सलियों के सरेंडर के लिए पुलिस के शीर्ष अधिकारी लगातार कोशिश में हैं। संभव है कि आनेवाले दिनों में वह भी सरेंडर कर दें, तो बड़ी बात नहीं। फिलहाल मंकी फॉरेस्ट में मिसिर बेसरा और असीम मंडल सहित 20 के करीब नक्सली बच गए हैं। जिनकी चौतरफा घेराबंदी जवानों ने कर रखी है।

बाइक सवार दंपती को ट्रैक्टर ने रौंदा, पति की मौत

पलामू, एजेंसी। जिले के हुसैनाबाद के नावाडीह गांव निवासी बाइक सवार दंपती को बिहार के नबीनगर थाना क्षेत्र में नेनुआ गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने रौंद दिया। हादसे में पति की मौत घटनास्थल पर हो गई। जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल है। घायल महिला को पटना रेफर किया गया है। मृतक की पहचान हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव निवासी 53 वर्षीय विश्वनाथ साव तथा घायल पत्नी 50 वर्षीय सुनैना देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि विश्वनाथ साव अपने एक रिश्तेदार के घर शोक संवेदना प्रकट करने पत्नी के साथ बाइक से टंडवा थाना क्षेत्र के खजुरी गांव जा रहे थे। नबीनगर से कोईरीडीह गांव को जोड़ने वाली पथ में नेनुआ गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ओवरटेक करने के दौरान बाइक में टक्कर मार दी। ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नबीनगर पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान विश्वनाथ की मौत हो गई।

जामताड़ा में 5 साइबर अपराधी गिरफ्तार, फर्जी सिम सप्लायर भी दबोचा

जामताड़ा, एजेंसी। झारखंड के जामताड़ा में साइबर अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह के प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि साइबर थाना प्रभारी राजेश मंडल के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल ने करमाटांड़ थाना क्षेत्र के ग्राम बरमुंडी और अन्य स्थानों पर छापेमारी कर साइबर अपराध करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार किया। वहीं अलग कार्रवाई में फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाले एक अन्य आरोपी मुजाहिद अंसारी को कालाझरिया स्थित पेट्रोल पंप के पास से गिरफ्तार किया गया। इस मामले में क्रमशः साइबर अपराध थाना कांड संख्या 27/2026 एवं 28/2026 दर्ज किया गया है। दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता 2023, आईटी एक्ट तथा टेलीकम्युनिकेशंस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रिजवान अंसारी, बसीर अंसारी, सकलैन अंसारी, सफाउद्दीन अंसारी शामिल हैं। ये सभी आरोपी करमाटांड़ थाना क्षेत्र के बरमुंडी गांव का है। वहीं मुजाहिद अंसारी कर्माटांड़ थाना क्षेत्र के मटटांड़ गांव का रहने वाला है।

एसपी ने बताया कि आरोपी गूगल से क्रेडिट और डेबिट कार्ड धारकों का मोबाइल नंबर निकालते थे। इसके बाद ग्राहकों को कॉल कर उनका बैंक खाता या कार्ड बंद होने की बात कहकर मोबाइल में स्क्रीन शेयरिंग ऐप इंस्टॉल करवाते थे। फिर कार्ड डिटेल और गोपनीय जानकारी हासिल कर साइबर ठगी की घटना को अंजाम देते थे। वहीं गिरफ्तार एक अन्य आरोपी मुजाहिद अंसारी फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराकर साइबर अपराधियों की मदद करता था।

गिरफ्तार आरोपी रिजवान अंसारी पूर्व में भी साइबर अपराध थाना जामताड़ा में मामला दर्ज है। बताया कि प्रारंभिक जांच में साइबर अपराधियों का कार्यक्षेत्र महाराष्ट्र, गुजरात एवं पश्चिम बंगाल तक फैला होने की जानकारी मिली है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है।

पश्चिमी सिंहभूम जिला उत्पाद विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ चलाया गया अभियान

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी। उपायुक्त पश्चिमी सिंहभूम एवं अधीक्षक उत्पाद, पश्चिमी सिंहभूम के निर्देश पर उत्पाद विभाग द्वारा जिला में 16 मई से 20 मई तक अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान गुवा, मंझारी, चक्रधरपुर और झींकपानी थाना क्षेत्र में कुल 09 प्राथमिकी दर्ज करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पांच फरार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया गया है। जानकारी देते हुए उत्पाद निरीक्षक निर्भय कुमार सिन्हा ने बताया की गुवा थाना के रेलवे कॉलोनी, बड़ा जामदा और कल्याण नगर से अवैध बिक्री के आरोप में दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई और घटनास्थल से 3 लीटर विदेशी शराब और 3।250 लीटर बीयर की बरामदगी की गई। मंझारी थानांतर्गत ग्राम मिरुडीह में 9 (नौ) लीटर अवैध विदेशी शराब की बरामदगी की गई और बेचने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया गया। बताया कि चक्रधरपुर थाना के दण्डासाईं और बाराकुली से अवैध शराब बिक्री के आरोप में दो लोगों की गिरफ्तारी की गई और अभियुक्तों के कब्जे से 6।5 लीटर बीयर और 5 लीटर अवैध चुलाई शराब की बरामद किया गया। बताया कि बुधवार को झींकपानी थाना के गुड़ा ग्राम में संचालित अवैध चुलाई शराब की 4 भट्ठियों को ध्वस्त करते हुए कुल 80 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद किया गया।

लातेहार में बेटे ने की पिता की कुदाल से मारकर हत्या, आरोपी फरार

लातेहार, एजेंसी। जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत शिंजो पंचायत में एक सनकी बेटे ने कुदाल से मारकर अपने पिता की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रभात दास के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन की। फिलहाल घटना के बाद से आरोपी फरार है।दरअसल, मनिका थाना क्षेत्र के शिंजो पंचायत निवासी चंदन सिंह को किसी बात को लेकर उनके पिता राजकुमार सिंह ने बुधवार की रात हल्की डांट फटकार लगाई थी। इसी बात से नाराज होकर चंदन सिंह ने घर में रखे कुदाल से अपने पिता के सिर पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद चंदन सिंह घर से भाग गया।

इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को भी दी। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रभात दास के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी प्रभात दास ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी की जा रही है।

मृतक राजकुमार सिंह की पत्नी और हत्यारे चंदन सिंह की मां ने बताया कि चंदन की दिमागी हालत ठीक नहीं थी। कुछ दिन पहले ही उसे रांची से इलाज कराकर घर लाया गया था। बताया जाता है कि चंदन की मानसिक स्थिति ऐसी थी कि छोटी-छोटी बातों पर भी उग्र हो जाता था। संभावना जताई जा रही है कि अपने पिता के किसी बात से वह नाराज होकर अपने पिता की हत्या कर दी।

इधर, अपने पिता की हत्या करने के बाद चंदन फरार हो गया है। घटना देर रात की थी, जिसके कारण रात में आसपास के लोगों को जानकारी नहीं हुई। इसी का फायदा उठाकर आरोपी फरार होने में सफल रहा।

सीआईआई झारखंड के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम हेमंत सोरेन से की मुलाकात, राज्य की औद्योगिक नीति पर हुई विस्तृत चर्चा

रांची, एजेंसी। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री झारखंड के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस शिष्टमंडल में सीआईआई झारखंड स्टेट काउंसिल के अध्यक्ष दिलू पारिख और टाटा स्टील कॉरपोरेट सर्विस के उपाध्यक्ष डीबी सुंदर रमन सहित सीआईआई ईस्टर्न रीजन के रीजनल डायरेक्टर देव ज्योति और सीआईआई झारखंड हेड प्रभात कुमार शामिल थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सीआईआई के प्रतिनिधियों के बीच राज्य में औद्योगिक क्षेत्र के विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। मौके पर सीआईआई के प्रतिनिधियों ने दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच 2026 में झारखंड सरकार की भागीदारी और यूनाइटेड किंगडम की सफल यात्रा तथा राज्य को मिले मजबूत इन्वेस्टमेंट इंटेंशन हेतु शुभाकामनाएं एवं बधाई दी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सीआईआई के प्रतिनिधियों से कहा कि दावोस में आयोजित वैश्विक आर्थिक मंच पर राज्य सरकार ने पूरे विश्व को संदेश दिया है कि झारखंड असीम संभावनाओं वाला राज्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड प्रदेश निवेश के लिए अनुकूल है। राज्य सरकार झारखंड में औद्योगिक विकास को गति मिले इस निमित बेहतर कार्य योजना बनाते हुए निरंतर आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष सीआईआई प्रतिनिधियों ने झारखंड को एक उभरता हुआ इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बनाने और इन्वेस्टर का भरोसा बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की।

मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सीआईआई के प्रतिनिधियों ने राज्य की इंडस्ट्रियल पॉलिसी पर विस्तृत चर्चा की और औद्योगिक विकास में राज्य सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने की इच्छा जाहिर की। मुख्यमंत्री के समक्ष सीआईआई के प्रतिनिधियों ने पॉलिसी डेवलपमेंट प्रोसेस में नॉलेज और इंडस्ट्री पार्टनर के तौर पर भूमिका निभाने की बात कही।

गौरतलब है कि कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (ष्ट्ठढ्ढ) एक प्रतिष्ठित औद्योगिक संगठन है। जिससे 8000 से अधिक सदस्य कंपनी जुड़े हुए हैं। जिसका मुख्यालय दिल्ली में है।

धनबाद पुलिस की विशेष मुहिम : 15 दिनों में सैकड़ों वारंटों का निष्पादन, फरार वारंटियों पर भी सख्ती

धनबाद, एजेंसी। पुलिस ने न्यायालय से जारी लंबित वारंटों के निष्पादन को लेकर बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले के सभी थाना और ओपी क्षेत्रों में विशेष कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर न्यायिक प्रक्रिया को गति देना और कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

मई माह के पहले पंद्रह दिनों में पुलिस को उल्लेखनीय सफलता मिली है। 1 मई से 15 मई के बीच चलाए गए विशेष अभियान के दौरान अभियुक्त वारंट के 664 मामलों का निष्पादन किया गया। इसके अलावा स्थायी वारंट के 85 मामलों में कार्रवाई पूरी की गई। जबकि कुर्की से जुड़े 9 मामलों का भी निष्पादन किया गया। इस प्रकार कुल 758 मामलों में कार्रवाई कर पुलिस ने लंबित मामलों को निपटाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि कई अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि लंबित वारंटों के निष्पादन में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए।उन्होंने कहा कि जून माह के अंत तक अधिकतम लंबित वारंटों का निष्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसकी नियमित समीक्षा की जा रही है। अभियान की मॉनिटरिंग डीएसपी मुख्यालय-2 धीरेन्द्र नारायण बंका कर रहे हैं। तकनीकी संसाधनों की मदद से फरार आरोपियों की तलाश भी तेज कर दी गई है।

गुमला में सांप काटने से छात्र की मौत:जमीन पर सो रहा था, झाड़-फूंक के चक्कर में इलाज में हुई देरी

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के रायडीह थाना क्षेत्र के रमजा कोब्जा गांव में बुधवार को सांप काटने से 11 वर्षीय छात्र जय मंगल सिंह की मौत हो गई। वह कवि राज सिंह का पुत्र था।

मृतक छात्र के दादा माधो सिंह ने बताया कि जय मंगल उनके साथ जमीन पर सोया हुआ था। बुधवार सुबह करीब 4 बजे एक जहरीले सांप ने उसे काट लिया। जय मंगल ने खुद परिजनों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने स्थानीय ओझा-भगत को बुलाकर झाड़-फूंक से इलाज कराने का प्रयास किया।

झाड़-फूंक में काफी समय बर्बाद हो गया। जय मंगल की हालत गंभीर हो चुकी थी। परिजन उसे सदर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक संजना प्रसाद ने उसे मृत घोषित कर दिया। जय मंगल सिंह बंदवा कोना उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक का छात्र था।

इस घटना पर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक अनुपम किशोर ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश से मौत की खबरें अक्सर आती हैं और अधिकतर मामलों में जमीन पर सोने के कारण ऐसा होता है।

उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे जमीन पर न सोएं, क्योंकि गर्मी में करैत जैसे जहरीले सांप अक्सर निकलते हैं। उपाधीक्षक ने अंधविश्वास में झाड़-फूंक में समय बर्बाद न करने और तुरंत अस्पताल पहुंचने की सलाह दी, ताकि समय पर इलाज मिल सके।

धनबाद जेल में विचाराधीन कैदी की मौत पर अस्पताल में हंगामा

धनबाद, एजेंसी। मंडल कारा में बंद 27 वर्षीय विचाराधीन कैदी जीतन रजवार की संदिग्ध मौत के मामले में मंगलवार को अस्पताल में तनावपूर्ण माहौल रहा। परिजनों ने शव देखते ही जेल प्रशासन और मृतक के ससुराल पक्ष पर साजिश रचकर हत्या कराने का गंभीर आरोप लगाया।

मृतक के पिता महेश रजवार ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब दो बजे जेल प्रशासन की ओर से उनके बेटे की तबीयत खराब होने की सूचना मिली। उन्होंने कहा, 'हमने अपने बेटे को पुलिस को सही-सलामत सौंपा था, लेकिन आज उसका शव मिला है।'

परिजनों का आरोप है कि जीतन के साले मनोज रजवार (पुलिस विभाग में कार्यरत) ने जेल में पैसे देकर बेटे को पिटवाया और हत्या कराई। जीतन की मां मालो देवी ने भी साजिश की बात कही और निष्पक्ष जांच तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

धनबाद मंडल कारा के जेलर दिनेश वर्मा के अनुसार, जेल लाए जाने के दौरान ही जीतन की तबीयत बिगड़ गई थी और वह बेहोश होकर गिर पड़ा था। उसे तत्काल सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद वापस जेल भेज दिया गया।

सोमवार देर रात फिर हालत बिगड़ी तो अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। जेल प्रशासन का कहना है कि मेडिकल जांच में जीतन में मिर्गी जैसी बीमारी के लक्षण मिले थे। मौत का असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

जीतन रजवार को 16 मई को अपनी पत्नी संजोती देवी की हत्या के आरोप में गोविंदपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। संजोती का शव घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था, जिसके आधार पर उसके पिता के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई। मृतक दंपति का एक चार वर्षीय बेटा भी है।

पोस्टमार्टम के लिए शव अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में रखा गया था। जैसे ही परिजन पहुंचे, उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। सरायढेला थाना के सब इंस्पेक्टर एल।एन। महतो ने बड़े हंगामे की बात से इनकार किया और कहा कि परिजनों के हत्या के आरोप जांच का विषय हैं।

पोस्टमार्टम की निगरानी के लिए प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट रवि नाथ ठाकुर ने कहा कि वे केवल प्रक्रिया की निगरानी के लिए आए हैं और परिजनों के आरोपों पर टिप्पणी करना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में बदलेगा मौसम, कहीं चलेगी लू, कई जगहों पर आंधी-बारिश के आसार

रांची, एजेंसी। झारखंड का मौसम लगातार करवट ले रहा है। झारखंड की राजधानी रांची बुधवार को भीषण गर्मी के चपेट में रही। बुधवार को रांची का अधिकतम तापमान 38 15 डिग्री सेल्सियस रहा, जिसमें पिछले 24 घंटे में 1 11 डिग्री की वृद्धि हुई। तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। मेदिनीनगर का अधिकतम तापमान 43 14 डिग्री सेल्सियस रहा, जिसमें 1 10 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 41 18 डिग्री सेल्सियस रहा, जिसमें 1 14 डिग्री की वृद्धि हुई। बुधवार को सरायकेला में छिटपुट बारिश हुई। रांची के मौसम में 26 मई तक उतार-चढ़ाव रहने की संभावना है। पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार में 21, 22 और 23 मई को तापमान में बढ़ोतरी और लू चलने की संभावना है। वहीं 22 मई को रांची सहित अन्य जिलों में दोपहर बाद बादल छाए रहने, तेज हवा चलने और कहीं-कहीं वज्रपात के साथ बारिश होने की संभावना है। खासकर संतालपरगना इलाके में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा और वज्रपात होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 23 मई को रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज में 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी के साथ वज्रपात और बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं रांची सहित चतरा, लोहरदगा, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में बादल छाए रहने, तेज हवा और वज्रपात की संभावना है। इन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

गिरिडीह में सीबीआई की कार्रवाई, घूसखोरी मामले में जीएसटी के सुपरिंटेंडेंट और इंस्पेक्टर गिरफ्तार

गिरिडीह, एजेंसी। धनबाद से आई सीबीआई की टीम ने बुधवार को गिरिडीह के बजरंग चौक स्थित सेंट्रल जीएसटी कार्यालय में छापेमारी कर रिश्वत लेने के मामले में सीजीएसटी कार्यालय के दो वरीय अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से पूरे विभाग में हड़कंप मच गया है। सीबीआई की यह कार्रवाई बिरनी प्रखंड के खाखीपीपर निवासी राजू अंसारी की शिकायत पर की गई। शिकायतकर्ता के अनुसार वर्ष 2023 में उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट अनीश कुमार सेठ और गिरिडीह सीजीएसटी कार्यालय में पदस्थापित सुपरिंटेंडेंट बुद्धेश्वर सुंडी और इंस्पेक्टर बिरजू कुमार ने आपसी मिलीभगत कर उन्हें 95 लाख रुपये का जीएसटी टैक्स जमा करने का नोटिस भिजवाया। राजू अंसारी ने बताया कि नोटिस मिलने के बाद अधिकारियों और सीए द्वारा मामले को सेटलमेंट के जरिए निपटाने की बात कही गई और इसके एवज में घूस की मांग की गई। मामले से परेशान होकर राजू अंसारी सीधे धनबाद स्थित सीबीआई कार्यालय पहुंचे और पूरे प्रकरण की जानकारी सीबीआई के एसपी भंवर लाल मीणा को दी। इसके बाद सीबीआई ने रंगे हाथ गिरफ्तार करने की योजना बनाई। बुधवार को जब शिकायतकर्ता ने जीएसटी अधिकारियों को नगद रुपए दिए तो सीबीआई ने रंगे हाथ दबोच लिया। घूस की रकम के साथ जीएसटी सुपरिंटेंडेंट बुद्धेश्वर सुंडी और इंस्पेक्टर बिरजू कुमार को गिरफ्तार कर सीबीआई देर रात को ले गई। बता दें कि सीबीआई ने बुधवार को गिरिडीह में स्थित सीएसटी कार्यालय में दिन के 11:00 बजे छापेमारी की थी जो रात 2:00 बजे तक चली। इस दौरान अधिकारियों ने कई लोगों से भी पूछताछ भी की है। सीबीआई के अधिकारियों ने सिर्फ दो के गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

देवघर में श्रावणी मेले से पहले बिजली विभाग अलर्ट, तार बदलने और पावर सिस्टम दुरुस्त करने का काम शुरू

देवघर, एजेंसी। 30 जुलाई से शुरू होने वाले श्रावणी मेला को लेकर देवघर विद्युत विभाग ने अभी से तैयारियां तेज कर दी हैं। हजारों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए शहर, कांवरिया पथ और बाबा मंदिर क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को मजबूत करने का काम शुरू कर दिया गया है। विभाग की ओर से ओपन तारों को बदला जा रहा है, जबकि जर्जर और टेढ़े-मेढ़े बिजली पोल को भी हटाकर नए पोल लगाए जा रहे हैं। श्रावणी मेला के दौरान देवघर में बिजली की मांग अचानक बढ़ जाती है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, मेले के समय जिले में 110 से 120 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होती है। वहीं सामान्य दिनों में शहर की औसत मांग करीब 90 मेगावाट रहती है हालांकि वर्तमान में विभाग मात्र 65 से 70 मेगावाट बिजली ही उपलब्ध करा पा रहा है, जिसके कारण शहर में आए दिन लोड शेडिंग की समस्या बनी रहती है। ऐसे में इस साल श्रावणी मेला के दौरान बिजली संकट न हो, इसके लिए विद्युत विभाग विशेष तैयारी में जुट गया है। देवघर के 16 पावर सब स्टेशन और 63 फीडर प्वाइंट पर मरम्मत और मेंटेनेंस का काम शुरू हो गया है। गर्मी के मौसम में ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं, इसलिए विभाग सभी ट्रांसफार्मरों में लोड बैलेंसिंग का कार्य भी करा रहा है हालांकि सबसे बड़ा सवाल अब भी बना हुआ है कि जब सामान्य दिनों में ही शहर को पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं मिल पा रही है, तब श्रावणी मेले के दौरान 110 से 120 मेगावाट बिजली की जरूरत आखिर कैसे पूरी होगी?

ग्रामीण सड़क निर्माण में देरी नहीं की जाएगी बर्दाश्त

दीपिका पांडेय सिंह ने कहा- कोताही पर डिबार होंगे ठेकेदार

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने विभाग की योजनाओं की गहन समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने लंबित कार्यों, ठेकेदारों की लापरवाही और महिलाओं के उद्यमिता विकास पर सख्त रुख अपनाते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने साफ कहा कि लंबे समय से ग्रामीण सड़क निर्माण का काम पूरा न करने वाली एजेंसियों और संवेदकों को भविष्य में नया काम मिलना मुश्किल होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य स्तर पर ऐसे सभी एजेंसियों और संवेदकों की सूची तैयार की जाए और उन्हें डिबार करने की प्रक्रिया तेज की जाए। मंत्री ने रेट रिवीजन का लाभ लेने के लिए जानबूझकर काम लंबित रखने की चालाकी पर भी नाराजगी जताई और कहा कि विभाग ऐसे मामलों की जांच करेगा।

दीपिका पांडेय सिंह ने स्पष्ट किया कि सड़क और पुल निर्माण में लापरवाही या गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने विधायकों द्वारा भेजी गई लिखित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अविलंब कार्रवाई का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि नई सड़क निर्माण की मांग हो या अनियमितता की शिकायत, विधायकों के आवेदनों पर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई होनी चाहिए। पत्राचार की खानापूर्ति के बजाय वास्तविक जांच जरूरी है।

समीक्षा बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के क्षतिग्रस्त पुलों की सूची तैयार कर बारिश से पहले उनकी मरम्मत का काम तेज किया जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इन पुलों का स्थलीय निरीक्षण करने का भी निर्देश दिया।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने राज्य के छह जिलों में पलाश मार्ट निर्माण की प्रक्रिया तेज करने के लिए जिलों में जमीन चिन्हित करने का निर्देश दिया। जिला प्रशासन की मदद से यह काम जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पलाश ब्रांड के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है और बाजार में इसकी मांग भी बढ़ रही है।

ग्रामीण विकास मंत्री ने जेएसएलपीएस को अधिक क्रियाशील बनाने पर बल देते हुए कहा कि महिलाओं को गांव-टोलों के स्तर पर उद्यमी बनाकर रोजगार प्रदाता बनाने की रणनीति तैयार की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दीदियों को रोजगार से जोड़ने का मतलब सिर्फ किराना दुकान तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि उन्हें उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाना है। इसके लिए जिला प्रशासन के साथ संयुक्त पहल करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में अबुआ आवास योजना के तहत लाभुकों को अंतिम किस्त शीघ्र देने पर जोर दिया गया ताकि उनका मकान बनाने का सपना साकार हो सके। इस बजट में योजना के लिए 41 सौ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की इस समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों ने जिलावार योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसके आधार पर ऊपर बताए गए सख्त निर्देश जारी किए गए।

गैस गोदाम से 275 एलपीजी सिलेंडर की चोरी

पलामू, एजेंसी। जिले के हरिहरगंज में एक गैस एजेंसी के गोदाम से 275 सिलेंडर चोरी हो गई। गैस एजेंसी के मालिक ने इस संबंध में हरिहरगंज थाना को एक आवेदन दिया है, जिसके बाद पुलिस ने मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पूरे मामले में पुलिस आगे की छानबीन कर रही है। हालांकि, चोरी की घटना कैसे हुई है, इसकी स्पष्ट जानकारी किसी के पास नहीं है। हरिहरगंज थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि गैस एजेंसी के मालिक ने चोरी की शिकायत की है और आवेदन भी दिया है। पुलिस पूरे मामले में आगे की छानबीन कर रही है। गोदाम में सीसीटीवी भी नहीं लगा हुआ है।दरअसल, हरिहरगंज के भगत तेंदुआ में एक गैस एजेंसी है। एजेंसी के संचालक बुधवार को जब गोदाम पहुंचे तो देखा कि गोदाम का ताला टूटा हुआ है। अंदर जाने के बाद गोदाम का ताला गायब मिला। जब वे गोदाम के अंदर घुसे तो देखा कि 275 एलपीजी सिलेंडर गायब है।

जमशेदपुर में दहशत फैलाने के लिए आरोपियों ने दुकान में की थी फायरिंग, आर्म्स के साथ छह गिरफ्तार

जमशेदपुर, एजेंसी। जिले के जुगसलाई क्षेत्र में दुकान में फायरिंग करने वाले गैंग का खुलासा पुलिस ने किया है। जानकारी देते हुए सिटी एसपी ने बताया कि जुगसलाई में रंगदारी के लिए दुकान पर फायरिंग की गई थी। इस मामले में आर्म्स के साथ छह आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं।

गौरतलब है कि 15 मई को जुगसलाई थाना क्षेत्र में आरोपियों द्वारा कपड़े की दुकान में फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया था। इस हमले में दुकानदार बाल बाल बच गया था। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। इधर, सीसीटीवी फुटेज के जरिये पुलिस घटना की सभी गतिविधि के साथ आरोपियों की पहचान में जुट गई थी और कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इनके कब्जे से चार अवैध देसी पिस्टल, पांच जिंदा गोली, तीन खाली मैगजीन, एक खोखा, एक कार और मोबाइल फोन बरामद किया है। मामले का खुलासा करते हुए सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि घटना को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बैठक में गिरफ्तार आरोपियों में अभिषेक श्रीवास्तव, राहुल कुमार, हरप्रीत सिंह भामराह, राहुल सिंह, अंकित सोनकर और बानेश्वर नामता शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार कई आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है और इनके खिलाफ पहले से कई थानों में मामले दर्ज हैं।

सिटी एसपी ने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपियों द्वारा दहशत फैलाकर रंगदारी के लिए फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया था। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है और गिरोह से जुड़े दूसरे सदस्यों की तलाश की जा रही है।

सीएम एक्सीलेंस स्कूल से छात्रों के गायब होने से हड़कंप

गुमला, एजेंसी। झारखंड के गुमला शहर के सीएम एक्सीलेंस एसएस स्कूल से आठवीं कक्षा के दो छात्रों के रहस्यमय ढंग से गायब होने का मामला सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना ने स्कूल प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था और लापरवाही पर कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर दो बच्चे स्कूल में दो विषय की पढ़ाई करने के बाद कैंपस से बाहर कैसे निकल गए और स्कूल प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी। गायब छात्रों की पहचान कसीरा मधुबन निवासी संत कबीर उरांव और धोधरा पाकरटोली निवासी निखिल उरांव के रूप में हुई है। दोनों छात्र सीएम एक्सीलेंस एसएस प्लस टू स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ते हैं और आपस में दोस्त बताए जा रहे हैं। परिजनों के अनुसार, 15 मई की सुबह करीब साढ़े छह बजे दोनों छात्र स्कूल जाने के लिए घर से निकले थे। स्कूल पहुंचने के बाद दोनों ने दो विषय की क्लास भी की। इसके बाद अचानक दोनों छात्र स्कूल से गायब हो गए। बाद में उनके दोस्तों ने जानकारी दी कि दोनों क्लास करने के बाद कहीं निकल गए थे। मामला और भी चौंकाने वाला तब हो गया जब पता चला कि दोनों छात्रों ने पहले से इसकी तैयारी कर रखी थी। जानकारी के अनुसार, एक छात्र घर से सिविल ड्रेस लेकर आया था और उसे अपने दोस्त के पास रख दिया था। बाद में दोनों ने स्कूल ड्रेस बदलकर हॉस्टल में छोड़ दी और सिविल ड्रेस पहनकर स्कूल परिसर से बाहर निकल गए।

धनबाद में विधायक रागिनी सिंह पर आपत्तिजनक टिप्पणी, नाराज समर्थकों ने बीजेपी जिला अध्यक्ष का फूंका पुतला

धनबाद, एजेंसी। झरिया विधायक रागिनी सिंह के खिलाफ बीजेपी महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय की कथित टिप्पणी को लेकर धनबाद में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। विधायक के समर्थकों और बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने रणधीर वर्मा चौक पर विरोध-प्रदर्शन करते हुए श्रवण राय का पुतला दहन किया और उनके इस्तीफे की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। 'श्रवण राय हाय-हाय', 'महिला सम्मान से खिलवाड़ बंद करो', 'रागिनी सिंह के सम्मान में हम सब मैदान में' और 'नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेंगे' जैसे नारों से रणधीर वर्मा चौक गूंज उठा। समर्थकों ने आरोप लगाया कि श्रवण राय ने सार्वजनिक मंच से एक महिला जनप्रतिनिधि के खिलाफ अनुचित टिप्पणी की है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, सांसद ढुल्लू महतो की आभार यात्रा के दौरान श्रवण राय द्वारा कथित रूप से रागिनी सिंह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। इसके बाद से ही विधायक समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में नाराजगी बनी हुई थी। इसी नाराजगी के तहत मंगलवार को बड़ी संख्या में समर्थक सड़कों पर उतर आए।

प्रदर्शन में शामिल बीजेपी नेता रश्मि पांडेय और सुनीता साहू ने कहा कि महिलाओं के सम्मान से समझौता नहीं किया जाएगा। उनका कहना था कि रागिनी सिंह क्षेत्र की समस्याओं को लगातार उठाती रही हैं और विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। ऐसे में उनके खिलाफ इस तरह की टिप्पणी न केवल अनुचित है बल्कि महिला सम्मान के खिलाफ भी है।

समर्थकों ने बीजेपी नेतृत्व से मांग की कि श्रवण राय सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और उन्हें जिलाध्यक्ष पद से तत्काल हटाया जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

खरसावां के टुनियाबाड़ी में गहराया पेयजल समस्या, चुआं और कुएं के सहारे ग्रामीण

सरायकेला, एजेंसी। तेज धूप और गर्मी बढ़ने के साथ ही सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां प्रखंड के टुनियाबाड़ी (बाबूसाई टोला) में पीने के पानी की समस्या गहरा गई है। सरकारी दावों में जलापूर्ति के मामलों में खरसावां के टुनियाबाड़ी बस्ती की स्थिति सामान्य दर्शाया गया है। लेकिन वास्तविक स्थिति सरकारी दावों से पूरी उलट है। सरकार के जल जीवन मिशन के पोर्टल में उल्लेख किया गया है कि टुनियाबाड़ी 140 परिवार (॥श्हहछह-छ्धश्चय्य) में से 95 को नल के कनेक्शन जोड़ दिया गया है, जबकि 45 का अभी भी बाकी है। 700 आबादी वाले टुनियाबाड़ी बस्ती में 63 एससी, 102 एसटी और 535 सामान्य जाति के लोग रहते हैं। धरातल में स्थिति इन दावों के उलट है।

गर्मी के साथ ही पानी की खपत बढ़ गई है, वहीं दूसरी ओर यहां पूर्व में गाड़े गए सभी दस चापाकल खराब पड़े हुए है। दोनो सोलर संचालित मिनी जल मीनार भी खराब पड़े हुए है। ऐसे में लोगों को हर दिन सुबह में ही पानी के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है।

खरसावां के टुनियाबाड़ी (बाबूसाई टोला) के लोगों को पानी के लिए हर दिन जुझना पड़ रहा है। गांव की कई महिलाएं नदी किनारे स्थित चुआं या फिर पुराने कुंआ से पानी ला कर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। हर दिन सुबह में टुनियाबाड़ी बस्ती की महिलाओं को बाल्टी और डिग्घी में पानी भर कर लाते देखा जा सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार पंचायत प्रतिनिधियों से लेकर सरकारी अधिकारियों से मिल कर खराब पड़े चापाकल और जलापूर्ति योजनाओं को मरम्मति करने की मांग की गयी, लेकिन अब तक इसे ठीक नहीं कराया जा सका। खरसावां के टुनियाबाड़ी (बाबूसाई टोला) के ग्रामीणों ने खराब पड़े जल मीनारों को दुरुस्त करने की मांग की है। जल्द पेयजल समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में यहां के लोगों को और परेशानी उठानी पड़ेगी। श्रीनिवास राय, रमाकांत राय, धृवशंकर राय, रंजीत राय, गणेश सिंहदेव, राधो गुंडुवा, लालबाबू स्वांसी, बासंती नायक, मानी नायक, मोहनी गोप, सेफाली बेहरा, निर्मला सोय, पायल उमंग, शिवादी बेहरा, रुपाली बेहरा, सत्यनारायण राय आदि ने प्रशासन से पेयजल समस्या का समाधान करने की दिशा में जरूरी पहल करने की अपील की।

पीजी पोर्टल शिकायतों के निपटारे में धनबाद पुलिस अव्वल, राज्य में हासिल किया पहला स्थान

धनबाद, एजेंसी। पुलिस ने केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (पीजी पोर्टल) पर दर्ज शिकायतों के निष्पादन में पूरे झारखंड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। आम लोगों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान का सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले में प्राप्त सभी शिकायतों के समयबद्ध निष्पादन के लिए अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक मामले की लगातार समीक्षा की जा रही है, ताकि शिकायतकर्ताओं को जल्द राहत मिल सके।

आंकड़ों के अनुसार 1 मई से 19 मई के बीच पीजी पोर्टल पर धनबाद पुलिस को कुल 39 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 32 मामलों का सफलतापूर्वक निष्पादन कर दिया गया। जबकि 7 शिकायतों पर कार्रवाई जारी है। इस उपलब्धि के साथ धनबाद पुलिस राज्य में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है।

एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि आम जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सभी मामलों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके और पुलिस व्यवस्था के प्रति लोगों का भरोसा और मजबूत हो।

उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित कार्रवाई के जरिए पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। धनबाद पुलिस लगातार बेहतर कार्य कर रही है।

गिरिडीह में जन वितरण प्रणाली में गड़बड़ी, एजीएम के सामने खुली पीडीएस की पोल

गिरिडीह, एजेंसी। जिले में जन वितरण प्रणाली में 'होम चोरी' का खेल सरेआम पकड़ा गया है। गोदाम से डीलर की दुकान तक पहुंचते-पहुंचते 4 क्विंटल 2 किलो अनाज हवा हो गया। जिसके बाद डीलर के शक पर एजीएम संतोष कुमार के सामने जब अनाज को दोबारा तोला गया तो पूरे मामले की पोल खुल गई।

इससे पहले तौल कराने की बात सुनते ही ड्राइवर और मजदूर गाड़ी एवं अनाज छोड़कर भाग निकले। यह सनसनीखेज मामला मुंडरो पंचायत के बिहारो के डीलर मनोज कुमार सिंह के दुकान की है। मनोज को तीसरी बार कम अनाज भेजा गया है। इस पर हताश डीलर ने कहा कि अब कार्डधारियों को मैं क्या बाटूंगा? इस घोटाले के बीच दुकान चलाना नामुमकिन है।

वहीं, मौके पर मौजूद एजीएम संतोष कुमार ने भी माना है कि अनाज कम निकला है। मुखिया बंधन महतो ने चेताया कि एक डीलर का 4 क्विंटल अनाज कम है। प्रखंड में 100 से ज्यादा डीलर है। अगर सबके साथ यही हो रहा है तो घोटाला करोड़ों का है। उन्होंने इस मामले की जांच कराने की मांग की है।बता दें कि झारखंड में गरीबों की थाली से मिठास गायब है। राज्य के 8192 लाख अंत्योदय परिवार को करीब 15 महीने से चीनी नहीं मिली है। राज्य सरकार द्वारा इन गरीब परिवार को रियायती दर पर प्रति माह एक किलो चीनी देने का प्रावधान है। गरीबों को रियायती दर पर चीनी उपलब्ध कराने में सरकार को भारी भरकम राशि खर्च करनी पड़ती है।

आधी रात को सड़कों पर उतरे एसडीएम, अवैध बालू लदे 3 ट्रैक्टर जब्त

गढ़वा, एजेंसी। जिला मुख्यालय और आसपास के इलाकों में बालू लदे ट्रैक्टरों से रात के समय बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार ने संज्ञान लिया है। देर रात एसडीएम ने खुद कमान संभालते हुए अवैध बालू परिवहन के खिलाफ औचक गश्ती अभियान चलाया। इस कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है। अभियान के दौरान अवैध बालू ले जा रहे तीन ट्रैक्टरों को रंगे हाथ पकड़ा गया

पकड़े गए वाहनों में एक ट्रैक्टर पूरी तरह बालू से लदा हुआ था, जो पतरिया डुमरिया निवासी मुकेश तिवारी का बताया जा रहा है।वहीं, अन्य दो ट्रैक्टर सुनील जायसवाल (निवासी छतरपुर) और मनीष पांडेय के हैं। कार्रवाई की भनक लगते ही इन दोनों ट्रैक्टरों के चालकों ने पकड़े जाने के डर से बीच सड़क पर ही बालू गिरा दिया और ट्रैक्टर मोड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद टीम ने उन्हें धर दबोचा।

एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि ये तीनों ट्रैक्टर मालिक पहले भी बालू चोरी के मामलों में दोषी पाए जा चुके हैं। बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद ये अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे थे। इनका यह कृत्य न सिर्फ राजस्व की चोरी है, बल्कि गंभीर सड़क दुर्घटनाओं और विधि-व्यवस्था के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन रहा था। अवैध कारोबारियों की इस ढिठाई को देखते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इन तीनों को आदतन दोषी मानते हुए बीएनएसएस की धारा 110 के तहत कार्रवाई की जा रही है और इनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।इसके अलावा, इन पर नियम संगत जुर्माना लगाया जाएगा और जुर्माना न देने की स्थिति में नीलामपत्रवाद के जरिए वसूली की जाएगी।

फोरलेन बाईपास पर रातभर तेज और अनियंत्रित गति से दौड़ने वाले बालू लदे ट्रैक्टरों के कारण आम नागरिकों की सड़क सुरक्षा दांव पर लगी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ने संबंधित टोल प्लाजा प्रबंधन को बीते चार रातों की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इस फुटेज के जरिए अवैध बालू परिवहन में शामिल अन्य वाहनों और पूरे सिंडिकेट/नेटवर्क की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने कहा कि यह सिर्फ अवैध खनन नहीं, गंभीर विधि-व्यवस्था का मामला है। एसडीएम संजय कुमार ने दो टूक शब्दों में कहा कि देर रात तेज रफ्तार से दौड़ने वाले बालू ट्रैक्टर केवल अवैध खनन का विषय नहीं हैं, बल्कि यह आम जनता की जान-माल की सुरक्षा और गंभीर विधि-व्यवस्था से जुड़ा मामला है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों और ट्रैक्टर मालिकों से फीडबैक लेकर इस पूरे रैकेट की एक गोपनीय रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे जल्द ही उपायुक्त को सौंपा जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने जिला खनन पदाधिकारी और खनन निरीक्षक को अपने स्तर से नियमित छापेमारी करने का निर्देश दिया है। एसडीएम ने भरोसा दिलाया कि अगर खनन विभाग को छापेमारी के लिए दंडाधिकारी या पुलिस बल की जरूरत होगी, तो जिला प्रशासन उसे तुरंत उपलब्ध कराएगा।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री सचिवालय के पास भिड़ीं दो तेज रफ्तार कारें, मची अफरा-तफरी

पटना, एजेंसी। पटना के सचिवालय थाना क्षेत्र अंतर्गत मुख्यमंत्री सचिवालय कार्यालय के समीप गुरुवार दोपहर करीब एक बजे दो कारों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहनों पर सवार लोग बाल-बाल बच गए। हालांकि, कुछ लोगों को हल्की चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार से आ रही एक कार ने दूसरी कार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना में एक कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि दूसरी कार के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा। हादसे के दौरान एक वाहन का चक्का भी बाहर निकल गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और यातायात पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। ट्रैफिक पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

नालंदा की साहित्यिक पहचान, नई पीढ़ी के हाथों से फिसल रही 'कलम और किताब'

नालंदा, एजेंसी। विश्वविख्यात प्राचीन नालंदा कभी ज्ञान, शिक्षा, दर्शन और साहित्य की वैश्विक राजधानी माना जाता था। यहां की धरती ने ऐसे विद्वान, शायर, साहित्यकार और पत्रकार दिए, जिन्होंने देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई, लेकिन बदलते आधुनिक दौर में अब यही नालंदा सोशल मीडिया और डिजिटल मनोरंजन के बढ़ते प्रभाव के कारण अपनी साहित्यिक और बौद्धिक विरासत को बचाने की चुनौती से जूझता दिखाई दे रहा है। मोबाइल, टैबलेट, लैपटॉप और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल ने बच्चों और युवाओं को किताबों और कलम से दूर कर दिया है। कभी पुस्तकालयों और साहित्यिक चर्चाओं के लिए प्रसिद्ध रहने वाला नालंदा अब डिजिटल स्क्रीन की चकाचौंध में अपनी पुरानी पहचान खोता नजर आ रहा है। प्राचीन काल में नालंदा केवल एक विश्वविद्यालय नहीं था, बल्कि यह ज्ञान-विज्ञान, दर्शन, साहित्य और संस्कृति का अंतरराष्ट्रीय केंद्र था। यहां चीन, जापान, कोरिया, तिब्बत और अन्य देशों से छात्र शिक्षा प्राप्त करने आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय से निकले विद्वानों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को विश्वभर में स्थापित किया। मध्यकालीन दौर में भी इस धरती ने कई ऐसे शायर, लेखक और बुद्धिजीवी दिए, जिन्होंने साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। नालंदा जिले के तेल्हारा गांव में जन्मे पद्मश्री डॉ. कलीम अहमद आजिज़ उर्दू शायरी की दुनिया का बड़ा नाम रहे। वर्ष 1989 में उन्हें भारत सरकार ने पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया था। उन्होंने मात्र 17 वर्ष की आयु में शायरी लिखना शुरू कर दिया था। उनकी पहली ग़ज़ल पुस्तक का विमोचन तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया था।उनका शोध इवोल्यूशन ऑफ उर्दू लिटरेचर इन बिहार उर्दू साहित्य के इतिहास में महत्वपूर्ण माना जाता है। डॉ। आजिज़ ने नालंदा की साहित्यिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया।

कृष्ण मुरारी हत्याकांड: विकास गुप्ता के एक मिस कॉल से हुआ 4 लोगों की निर्मम हत्या का बड़ा खुलासा

कैमूर, एजेंसी। कैमूर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के डहरक गांव में हुए चारहरे हत्याकांड का पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, इस ब्लाइंड केस की गुत्थी एक मिस कॉल से सुलझी। घटना के लगभग एक सप्ताह बाद भी पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिल रहा था। इसी दौरान 14 मई की रात रामगढ़ थाना के सरकारी मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से लगातार दो मिस कॉल आए। पहले पुलिस ने इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज किया, लेकिन दोबारा कॉल आने पर संदेह हुआ। जब पुलिस ने उस नंबर पर संपर्क किया तो कॉल करने वाले ने खुद को डहरक गांव निवासी विकास गुप्ता बताया और कहा कि उसके भाई कृष्ण मुरारी गुप्ता से कई दिनों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। यही सूचना पुलिस के लिए पहला बड़ा सुराग साबित हुई। विकास गुप्ता की सूचना के बाद पुलिस डहरक गांव पहुंची, जहां कृष्ण मुरारी गुप्ता का घर बंद मिला। जांच के दौरान पुलिस ने बरामद शव के कपड़ों का मिलान कृष्ण मुरारी के फेसबुक फोटो से किया। पुलिस ने पाया कि मृतक फेसबुक पर कई तस्वीरों में वही शर्ट पहने हुए था, जो शव के साथ बरामद हुई थी। इसके बाद पुलिस का शक यकीन में बदल गया कि बरामद शव कृष्ण मुरारी गुप्ता और उसके परिवार का ही है।पुलिस ने विकास गुप्ता को शव की पहचान के बहाने महाराष्ट्र से रामगढ़ बुलाया। इसी दौरान पुलिस ने उसके मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन खंगाली, जिसमें पता चला कि वह घटना के समय गांव में मौजूद था और बाद में महाराष्ट्र चला गया।पुलिस को उस पर शक गहरा गया। जब वह ट्रेन से रामगढ़ लौट रहा था, तभी पुलिस ने लोकेशन के आधार पर उसे रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पहले उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती के बाद उसने पूरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया।

नालंदा में लैविश लाइफ का झांसा देकर बच्ची का अपहरण

महिला जबरन कराने लगी देहव्यापार

नालंदा,एजेंसी। नालंदा में 11 दिनों तक 14 साल की लड़की से जबरन देहव्यापार कराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को नाबालिग का रेस्क्यू किया। साथ ही तीन महिला समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। नाबालिग को 7 मई को उस वक्त किडनैप किया गया था, जब वो स्कूल जा रही थी।

किडनैप करने के बाद आरोपियों ने नाबालिग को उसके घर से मात्र 2 किलोमीटर दूर एक मकान में रखा था। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी महिला पहले भी जबरन महिलाओं, लड़कियों से देहव्यापार कराने के मामले में शामिल रही है, उसे जेल भी भेजा जा चुका है।

नाबालिग के 7 मई को स्कूल के लिए घर से निकलने और शाम तक वापस नहीं आने के बाद उसकी मां की ओर से लहेरी थाना में बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए लहेरी पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की।

इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बच्ची को जेपी हॉस्पिटल के पीछे नालंदा कॉलोनी में रेखा देवी नामक महिला ने अपने घर में रखा है और उससे देहव्यापार कराया जा रहा है। सूचना के बाद नाबालिग को बरामद कर महिला समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अब सिलसिलेवार तरीके से जानिए पूरा मामला : नाबालिग की मां दिव्यांग है, जबकि उसके पिता की मौत पहले ही हो चुकी है। नाबालिग दो बहनों में छोटी है। नाबालिग की मां ने बताया कि पति की मौत के बाद मैं शहर के एक इलाके में भुट्टा बेचती हूं। बेटी कभी-कभी मेरे साथ दुकान पर रहती थी।

वो स्कूल में पढ़ाई करती है। 7 मई को हर दिन की तरह स्कूल के लिए निकली, लेकिन शाम को घर नहीं लौटी। पड़ोसियों की मदद से मैंने अपनी बेटी की काफी तलाश की, स्कूल में पता किया तो जानकारी मिली कि बेटी स्कूल नहीं गई थी।

नाबालिग की मां के मुताबिक, उन्होंने बेटी को उसकी सहेलियों के घर भी तलाशा, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया। जब देर रात हो गई और बेटी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली तो एक रिश्तेदार से कहा, पुलिस से शिकायत कर दीजिए।

इसके बाद मैं अपने परिचितों के साथ लहेरी थाना पहुंची। थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार रजक को सारी बातें बताई। जिसके बाद उन्होंने अपहरण से संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया और जांच पड़ताल शुरू कर दी।

7 से 18 मई तक बेटी को तलाशती रही, लेकिन कुछ पता नहीं चला : नाबालिग की मां ने बताया कि पुलिस से शिकायत के बाद मैं लगातार बेटी की तलाश में जुटी थी। उधर, पुलिस भी मेरी बेटी की तलाश में जुटी थी। नाबालिग की मां ने बताया कि मंगलवार को मुझे पुलिस की ओर से जानकारी दी गई कि आपकी बेटी का रेस्क्यू कर लिया गया है।

इसके बाद मैं थाना पहुंची। उन्होंने बताया कि बेटी ने मुझे अपनी आपबीती बताई और कहा कि मुझसे जबरन गलत काम कराया जा रहा था। उसने ये भी बताया कि मुझे गरीबी से निकालने का झांसा दिया गया था, मैं महिला की बातों में आ गई।

नाबालिग ने बताया कि पिता की पहले मौत हो चुकी है। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। घर में मैं और मेरी मां है। मां शहर में ही एक जगह भुट्टे की दुकान लगाती है। कभी-कभी स्कूल से छुट्टी के बाद मैं सीधे मां की दुकान पर पहुंच जाती थी।नाबालिग ने बताया कि दुकान पर एक शख्स अक्सर आता था। उसने धीरे-धीरे मुझसे बात की। शख्स ने मुझे बताया कि उसका नाम राजा कुमार है और वो मंसूर नगर का रहने वाला है।

नाबालिग ने बताया कि दुकान पर आने-जाने के दौरान उसने मुझसे नजदीकी बढ़ा ली और मुझसे बातचीत करने लगा। उसने एक दिन मुझसे कहा कि मैं तुमसे शादी करूंगा, तुम्हारी गरीबी दूर कर दूंगा। मैं तुम्हारी और तुम्हारी मां का भी बेहतर ख्याल रखूंगा।

नाबालिग ने बताया कि ऐसी बातें कर राजा कुमार ने मुझे अपने प्यार के जाल में फंसा लिया। एक दिन राजा कुमार शाम को मुझे अपने साथ सोहसराय में रहने वाली महिला किरण के घर ले गया। वहां उसने मेरे साथ जबरन काम किया और किरण के सामने बताया कि ये मेरी मंगेतर है और मैं इससे शादी करूंगा।

उसने किरण के सामने ये भी बताया कि मेरे पिता नहीं है, मां काफी गरीब है और किसी तरह भुट्टा बेचकर अपना घर चलाती है। इसके कुछ दिनों बाद किरण मेरी दुकान पर आने लगी।

बिहार में जाम छलका रहे थे पुलिसवाले, एसएसपी ने किया लाइन हाजिर

मुजफ्फरपुर ,एजेंसी। बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू है। इसके बाद भी लोग जाम छलकाते नजर आ जाते हैं। इसी बीच मुजफ्फरपुर से एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। उसे लाइन हाजिर किया गया है। हर तरफ यह चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक पुलिसकर्मी के शराब सेवन करने का दावा किया जा रहा है। वीडियो के सामने आते ही पुलिस प्रशासन ने एक्शन शुरू कर दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वीडियो की सत्यता व आरोपों की पुष्टि की प्रक्रिया जारी है।जानकारी के अनुसार, मामला कटरा थाना क्षेत्र के बकूची चौक के समीप का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में दिख रहे पुलिसकर्मी की पहचान डायल-112 टीम में तैनात पीटीसी शौकत अली/शौकत खान के रूप में की जा रही है। वीडियो में उनके शराब सेवन करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

4 साल पहले लापता बच्चा पाकर माता-पिता की लौटी मुस्कान, रहस्यमी तरीके से हुआ खुलासा

औरंगाबाद ,एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद जिले के ओबरा थाना क्षेत्र में वट सावित्री पूजा के दिन अपहृत अद्वैत प्रसाद की सकुशल बरामदगी के बाद पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। जिस महिला रंजू पासवान के पास से अद्वैत प्रसाद बरामद हुआ था, उसी के ठिकाने से एक और बच्चे को भी बरामद किया गया है।

4 साल बाद मिला लापता बच्चा : यह बच्चा साल 2022 में ओबरा देवी मंदिर से रहस्यमय तरीके से गायब हुआ था। बच्चे की पहचान शिवम कुमार के रूप में हुई है, जो अरवल जिले के करपी थाना क्षेत्र के केयाल गांव निवासी अनूप पांडेय का पुत्र है। चार साल बाद बेटे की बरामदगी की खबर मिलते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है।

2022 में बट सावित्री पूजा के दिन हुआ था गायब : जानकारी के अनुसार 30 मई 2022 को बट सावित्री पूजा के दिन ओबरा देवी मंदिर परिसर से शिवम कुमार अचानक गायब हो गया था। घटना के बाद परिजनों ने ओबरा थाना में मामला दर्ज कराया था। उस समय पुलिस ने काफी छानबीन और जांच की थी लेकिन बच्चे का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। इसके बाद धीरे-धीरे मामला ठंडे बस्ते में चला गया और परिवार बेटे की तलाश में भटकता रहा।

2026 में फिर हुई वैसी ही घटना : चार साल बाद 16 मई 2026 को बट सावित्री पूजा के दिन ही ओबरा क्षेत्र से अद्वैत प्रसाद नाम का एक और बच्चा गायब हो गया। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। मामला मगध प्रक्षेत्र के आईजी विकास

वैभव तक पहुंचा। उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक विशेष जांच टीम यानी एसआईटी का गठन किया।

सीसीटीवी फुटेज से मिला बड़ा सुराग : एसआईटी ने तकनीकी जांच शुरू की और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाने लगे। जांच के दौरान गया रेलवे स्टेशन का एक फुटेज सामने आया, जिसमें एक महिला अद्वैत प्रसाद का हाथ पकड़कर ले जाती दिखाई दी। पुलिस ने महिला की पहचान रंजू पासवान के रूप में की और उसके ठिकाने पर छापेमारी की गई।

पूछताछ में सामने आया दूसरा बच्चा : 19 जून 2026 को अद्वैत की बरामदगी के दौरान पुलिस को उसी घर में एक और बच्चा मिला। पूछताछके दौरान रंजू पासवान ने कबूल किया कि यह बच्चा भी चोरी का है और उसे भी साल 2022 में ओबरा देवी मंदिर से बट सावित्री पूजा के दिन ही अपहरण कर लाया गया था।

पुलिस ने खंगाला रिकॉर्ड : पुलिस ने जब पुरानी गुमशुदगी की घटनाओं का रिकॉर्ड खंगाला तो पता चला कि उसी दिन शिवम कुमार नाम का बच्चा मंदिर से गायब हुआ था। इसके बाद पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया और पहचान की प्रक्रिया पूरी कर बच्चे को उनके हवाले करने की तैयारी शुरू कर दी।

गया में किराए के मकान में रखा था बच्चा : पुलिस जांच में सामने आया कि रंजू पासवान गया जिले के डेलहा थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रह रही थी। वहीं पर उसने शिवम कुमार को पिछले चार साल से अपने पास रखा हुआ था। बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया है और फिलहाल उसे ओबरा थाना में रखा गया है।

पीएम की अपील के बाद बिहार में बदल रही मंत्रियों की सवारी, कोई ई-रिक्शा से पहुंच रहा दफ्तर तो कोई घटा रहा काफिला

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण की अपील का असर अब बिहार सरकार के मंत्रियों पर भी दिखने लगा है। राज्य के कई मंत्री अब सादगी और वैकल्पिक परिवहन का संदेश देने के लिए ई-रिक्शा और छोटे वाहनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं कुछ मंत्रियों ने अपने वीआईपी काफिलों को भी छोटा करना शुरू कर दिया है।

बुधवार को बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री ई। शैलेंद्र अपने सुरक्षाकर्मियों और एस्कॉर्ट टीम के साथ ई-रिक्शा से विश्वेश्वरैया भवन स्थित कार्यालय पहुंचे। सबसे खास बात यह रही कि सिर्फ मंत्री ही नहीं, बल्कि उनके साथ मौजूद सुरक्षा कर्मी भी बड़ी गाड़ियों के बजाय ई-रिक्शा में सफर करते दिखाई दिए। इस तस्वीर ने लोगों का ध्यान खींचा।

दफ्तर पहुंचने के बाद मंत्री ने कहा कि देश प्रदूषण और ईंधन संकट जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे समय में जनप्रतिनिधियों को खुद उदाहरण पेश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर लोग छोटी दूरी के लिए बड़ी गाड़ियों की जगह साइकिल, ई-रिक्शा या पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें, तो पेट्रोल-डीजल की खपत कम होगी और पर्यावरण को भी फायदा मिलेगा। मंत्री ने यह भी कहा कि वे सप्ताह में दो दिन ई-रिक्शा या साइकिल से चलने की कोशिश करेंगे।

इंजीनियर शैलेन्द्र ने कहा कि नेताओं को जनता से जुड़ने के लिए दिखावे और वीआईपी कल्चर से बाहर निकलना चाहिए। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री लगातार स्वच्छ और वैकल्पिक परिवहन को बढ़ावा देने की बात करते रहे हैं और हर व्यक्ति को अपनी जीवनशैली में छोटे बदलाव लाने चाहिए।इस दौरान मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को भी अपने लंबे-चौड़े काफिलों को कम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष के नेता भी ई-रिक्शा और छोटे वाहनों का इस्तेमाल करेंगे, तो समाज में अच्छा संदेश जाएगा।इससे पहले बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी भी ई-रिक्शा से अपने कार्यालय पहुंचे थे। वे भी सुरक्षाकर्मियों के साथ सचिवालय पहुंचे थे।

पूर्णिया में रास्ते के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, दोनों पक्षों से 15 लोग घायल

पूर्णिया,एजेंसी। पूर्णिया में जमीन विवाद में दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। लाठी-डंडे से एक दूसरे पर हमला किया गया। इसमें दोनों पक्षों के 15 लोग घायल हो गए। सभी कों इलाज के लिए जीएमसीएच लाया गया है। घटना मीरगंज थाना क्षेत्र के रंगपुरा गांव की है।

पीड़ित शाहबाज मंसूरी ने बताया कि रात में खाना खाने बैठा था अचानक मो। शमीम उर्फ चना 30 लोगों के साथ पहुंचा। घर में घुसकर तोड़फोड़ करने लगे। विरोध करने पर वे उग्र हो गए। लाठी, डंडे लोहे की रॉड, दबिया जैसे हथियारों से हमला कर दिया। इस मारपीट में उनके अलावा 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

वहीं, दूसरे पक्ष की राहो परवीन ने बताया कि विवादित जमीन से होकर उनके खेत तक जाने का एकमात्र रास्ता है। विपक्षी ने पहले से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर रखा था। बीते दिन प्रशासन की मौजूदगी में जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया था।

आज फिर आलम मंसूरी समेत करीब 15 लोग सरकारी जमीन पर कब्जा कर घर बनाने लगे। उस समय उनका परिवार खेत में मकई सुखा रहा था। उन्होंने इसका विरोध किया। जिसके बाद विपक्षी ने लाठी-डंडा और धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस घटना में मो। शमीम समेत 5 लोग घायल हो गए।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाना में मामला दर्ज कराया है। शाहबाज मंसूरी ने मो। शमीम उर्फ चना समेत 19 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। जबकि राहो खातून ने आलम मंसूरी समेत 15 लोगों को आरोपी बनाया है।मामले को लेकर मीरगंज थानाध्यक्ष रोशन कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से आवेदन मिला है।

डीएमसीएच में प्रसूता इलाज के लिए भटकती रही, प्रसव पीड़ा में तड़पती महिला को समय पर नहीं मिल पा रहा इलाज

दरभंगा , एजेंसी। दरभंगा के डीएमसीएच में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली एक बार फिर सामने आई है। प्रसव पीड़ा से तड़पती एक महिला को इलाज के लिए घंटों मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल (एमसीएच) और गायनिक विभाग के बीच भटकना पड़ा। परिजनों के साथ महिला अस्पताल परिसर में उचित उपचार के लिए इधर-उधर घूमती रही, लेकिन समय पर उसे सहायता नहीं मिल सकी।

जानकारी के अनुसार, कमतौल थाना क्षेत्र के टेकटार निवासी सूर्यकला कुमारी को प्रसव पीड़ा होने पर उनके परिजन डीएमसीएच के एमसीएच पहुंचे। वहां पर्ची कटाने के बाद जब प्रसूता को ओपीडी में दिखाने ले जाया गया, तो दोपहर के भोजन के समय के कारण ओपीडी

बंद मिली। इसके बाद परिजन महिला को लेकर गायनिक विभाग पहुंचे, जहां उन्हें लगभग तीन बजे तक इंतजार करना पड़ा।

इस दौरान प्रसूता की पीड़ा लगातार बढ़ती रही। कुछ अस्पताल कर्मियों ने परिजनों को वापस एमसीएच इमरजेंसी जाने की सलाह दी। इस स्थिति से परेशान होकर परिजन मरीज को सहारा देकर एक विभाग से दूसरे विभाग तक ले जाने को मजबूर हुए।प्रसूता के पति शशिपाल राय ने अस्पताल प्रशासन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, 'सरकारी अस्पताल में मरीज को इधर से उधर दौड़ाया जा रहा है। ऐसी हालत में प्रसूता को लेकर कैसे आवाजाही करें, यह समझ नहीं आ रहा है।'

स्थानीय लोगों का कहना है कि डीएमसीएच में प्रसूताओं को ऐसी परेशानियों का सामना अक्सर करना पड़ता है। पिछले वर्ष भी गायनिक ओपीडी में ही एक प्रसूता का प्रसव हो गया था, लेकिन इसके बावजूद व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ है।

मौजूदा स्थिति यह है कि एमसीएच में ओपीडी सेवा के लिए बने ब्लॉक में ही मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। दवा काउंटर भी नियमित रूप से संचालित नहीं हो रहा है। प्रसूताओं को दवा, रेडियोलॉजी जांच और अन्य सुविधाओं के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद, जच्चा-बच्चा के समुचित इलाज की व्यवस्था एक छत के नीचे अब तक सुनिश्चित नहीं हो सकी है, जिससे अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।डीएमसीएच अधीक्षक डॉ।जगदीश चंद्र ने कहा, 'डीएमसीएच में प्रसूताओं को सारी सुविधा मिल रही है।

छोले-चावल खाने से 60 बच्चे बीमार

उल्टी-पेट दर्द से तड़पने लगे मासूम, नालंदा के स्कूल में हड़कंप

नालंदा ,एजेंसी। बिहार के नालंदा से बड़ी खबर सामने आयी है। जहां नगरनौसा प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय कैला में बुधवार को मिड-डे मील खाने के बाद करीब 50 से 60 बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जिसमें एक शिक्षक भी शामिल हैं। इस भोजन को खाने के तुरंत बाद बच्चों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायत होने लगी। कई बच्चे बेहोश होकर गिर पड़े। घटना के बाद विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

मिड-डे मील खाने से बच्चे पड़े बीमार : आनन-फानन में सभी बच्चों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) नगरनौसा और चंडी रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से बीमार एक छात्रा को बेहतर इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही दोनों अस्पतालों में

अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। जैसे ही परिजनों को बच्चों के बीमार होने की जानकारी मिली, वे घबराए हुए अस्पतालों की ओर दौड़ पड़े।

'खाने में दवा जैसी गोली दिखाई दी' : अस्पताल परिसर में बच्चों के परिजनों की भारी भीड़ जुट गई। चिकित्सकों की टीम लगातार बच्चों के इलाज में जुटी रही। पांचवीं कक्षा की छात्रा अमृता कुमारी ने बताया कि मिड-डे मील में बच्चों को चावल और चने (छोला) की सब्जी परोसी गई थी। उसका आरोप है कि भोजन में किसी दवा जैसी गोली दिखाई दी थी। भोजन करने के बाद कई बच्चों की तबीयत अचानक खराब होने लगी।

निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग : अस्पताल में भर्ती बच्चों में अमृता कुमारी, अंकुश कुमार, अनुराधा कुमारी, तमन्ना, निशु, मुस्कान, कृति, ऋषि, आरती, सिमरन, खुशी, आदित्य, प्रियांशु, प्रिय, दीपक, प्रीति, डोली, सौरभ, किरण और राधा कुमारी समेत तीन दर्जन से अधिक अन्य बच्चे शामिल हैं।

ग्रामीणों और अभिभावकों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि भोजन की गुणवत्ता की समुचित जांच किए बिना बच्चों को खाना परोस दिया गया, जिसके कारण इतनी बड़ी संख्या में बच्चे बीमार पड़ गए। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

विभाग भी कारण ढूंढने में लगा : वहीं स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। भोजन के नमूने सुरक्षित रखे गए हैं और बच्चों के बीमार होने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। फिलहाल अधिकांश बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है, जबकि चिकित्सक सभी बच्चों की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

वहीं, प्रखंड प्रमुख रंजू कुमारी की मानें तो बच्चों के मिड डे मील के खाने से बीमार पड़ने की सूचना पर जांच के लिए पहुंच चुके हैं। जो लोग इस लापरवाही में शामिल हैं। दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर कड़ी सजा दी जाएगी। फिलहाल 6 बच्चे सदर अस्पताल बिहार शरीफ में भर्ती हैं।

आरा में पुलिस को मिली सफलता: वाहन जांच के दौरान गांजा तस्करी का खुलासा ,पिता-पुत्र गिरफ्तार

आरा,एजेंसी। भोजपुर जिले के सिकरहटा थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 28 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने स्कॉर्पियो सवार पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सनोज कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक स्कॉर्पियो वाहन के माध्यम से भारी मात्रा में गांजा की खेप ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही फतेहपुर बाजार के समीप सघन वाहन जांच अभियान शुरू किया गया।

वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन में रखे दो काले बैग से कुल 28 किलो गांजा बरामद किया गया। गांजा बरामद होते ही पुलिस ने मौके पर ही वाहन सवार दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त कर लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

मोड़ पर बेकाबू होकर दीवार से टकराई कार, तीन युवकों की मौत

मऊ , एजेंसी। मऊ जिले के घोसी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। घोसी-नदवासराय मार्ग पर सरहरा जमीन सरहरा स्थित लेखपाल ट्रेनिंग सेंटर के पास एक तेज रफ्तार कार मोड़ पर अचानक बेकाबू हो गई और सड़क किनारे बनी दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। घोसी थाना प्रभारी परमेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद रियाज अहमद (25) निवासी मिर्जा जमालपुर, रामाशीष यादव (28) निवासी लारपुर और राहुल (25) को मृत घोषित कर दिया। राहुल के पते की जानकारी अभी नहीं हो सकी है। वहीं मिर्जा जमालपुर निवासी आकाश यादव (25) गंभीर रूप से घायल है। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार चारों युवक आजमगढ़ की ओर से आ रहे थे। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और मोड़ पर नियंत्रण खोना हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। हादसे के बाद मृतकों के घरों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

10 वेटलैंड के दम पर पहला हरित शहर बनेगा अलीगढ़

अलीगढ़ , एजेंसी। तपते शहरों में नष्ट होते प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम को बचाने के लिए सरकार ने वेटलैंड को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है। इसी के तहत 10 वेटलैंड के दम पर अलीगढ़ पहला हरित शहर बनेगा। हाल ही में शेखाझील को रामसर साइट घोषित किया गया। अब तीन नए वेटलैंड के लिए प्रदेश सरकार ने अधिसूचना जारी की है। इनके अलावा, तीन और वेटलैंड क्षेत्रों का सैटेलाइट सर्वे हुआ है। इसके बाद तीन और जगहों का सर्वे करने की तैयारी है। इस तरह आगामी दिनों में जिले में कुल 10 वेटलैंड होंगे। अभी तक प्रदेश के किसी भी जिले में इतनी संख्या में वेटलैंड नहीं है।बीती दो अप्रैल को राज्य सरकार ने अतरौली ब्लॉक के गांव सिसई, प्रेमनगर धुर्रावास और बिजौली ब्लॉक के गांव सिकरी के वेटलैंड की अधिसूचना जारी की है। इस पर आपत्ति एवं सुझाव के लिए 60 दिन का समय भी निर्धारित किया है। इसके बाद इन्हें आधिकारिक रूप से वेटलैंड घोषित किया जाएगा। इधर, कोल तहसील के दभी गांव, गभाना क्षेत्र के सुमेरा-दरियापुर और दाऊपुर गांव के वेटलैंड का प्राइमरी सैटेलाइट सर्वे हो चुका है। अब जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली वेटलैंड समिति इन क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण करेगी। समिति में वन, सिंचाई, कृषि और मत्स्य विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। निरीक्षण के बाद इन्हें भी नोटिफिकेशन प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।इनके अलावा, वन विभाग तीन और वेटलैंड को सूची में शामिल कराने की तैयारी कर रहा है। इनमें अकराबाद ब्लॉक का अमामादपुर, दभादभी और विजयगढ़ क्षेत्र का वरहद वेटलैंड शामिल हैं। इस तरह आगामी दिनों में रामसर साइट शेखाझील समेत जिले में कुल 10 वेटलैंड हो जाएंगे।एएमयू के भूगोल विभाग के प्रो. अतीक अहमद कहते हैं वेटलैंड किसी भी शहर के लिए प्राकृतिक तापमान नियंत्रक की तरह काम करते हैं। जहां जल क्षेत्र और हरियाली अधिक होती है, वहां तापमान अपेक्षाकृत कम रहता है। इसके विपरीत जिन शहरों में तालाब और वेटलैंड खत्म हुए, वहां अर्बन हीट आइलैंड की स्थिति तेजी से बढ़ी है।आने वाले वर्षों में शहरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल प्रदूषण नहीं, बल्कि बढ़ती गर्मी होगी। जिस तेजी से कंक्रीट का दायरा बढ़ रहा है, उससे शहर प्राकृतिक तापमान संतुलन खोते जा रहे हैं। ऐसे में वेटलैंड और जल स्रोत ही राहत देने का सबसे प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। अलीगढ़ जैसे तेजी से फैलते शहर में यदि अभी से जल स्रोतों और वेटलैंड को संरक्षित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में यहां गर्मी और जल संकट दोनों गंभीर रूप ले सकते हैं। लगातार बढ़ती वार्म नाइट यानी गर्म रातों की स्थिति इसी बदलाव का संकेत है।

ग्रीष्मावकाश में दूसरे महाविद्यालयों की परीक्षाएं कराने से इन्कार,

बरेली कॉलेज ने खड़े किए हाथ

बरेली, एजेंसी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय और बरेली कॉलेज के बीच परीक्षाओं और गर्मी की छुट्टियों को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। विश्वविद्यालय की ओर से 25 मई से ग्रीष्मावकाश (गर्मी की छुट्टियां) घोषित होने के बाद बरेली कॉलेज के प्राचार्य ने इस दौरान बाहरी महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं की परीक्षा अपने यहां संपन्न कराने में असमर्थता जताई है।

बरेली कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश राय की ओर से परीक्षा नियंत्रक को लिखे गए पत्र के अनुसार, कॉलेज केंद्र पर 16 अप्रैल से विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं। ये जून के तीसरे सप्ताह तक चलने की संभावना है। 22 मई से विधि सम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी शुरू होने जा रही हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय ने अन्य बाहरी महाविद्यालयों का परीक्षा केंद्र भी बरेली कॉलेज को बना दिया है। इन परीक्षाओं को कराने में कॉलेज के सभी शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी लगातार ड्यूटी कर रहे हैं।

25 मई से ग्रीष्मावकाश घोषित : प्राचार्य ने पत्र में स्पष्ट किया है कि चूंकि विश्वविद्यालय की ओर 25 मई से ग्रीष्मावकाश घोषित कर दिया गया है, इसलिए कॉलेज के प्राध्यापक भी छुट्टी पर चले जाएंगे। ऐसी स्थिति में जनशक्ति की कमी हो जाएगी और परीक्षाओं को सुचारु रूप से कराना बेहद मुश्किल होगा। उन्होंने साफ कहा है कि

ग्रीष्मावकाश के दौरान बरेली कॉलेज केवल अपने ही नियमित छात्र-छात्राओं की परीक्षाएं संपन्न करा पाएगा।

जिन बाहरी महाविद्यालयों का परीक्षा केंद्र बरेली कॉलेज को बनाया गया है, उनकी परीक्षाएं कराना संभव नहीं होगा। प्राचार्य ने विश्वविद्यालय प्रशासन से अनुरोध किया है कि वे इस संबंध में आवश्यक कदम उठाएं और बाहरी छात्रों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करें।

कुलपति का आदेश : हालांकि, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति के आदेश के मुताबिक ग्रीष्मावकाश की अवधि में प्रवेश प्रक्रिया, पहले से चल रहीं परीक्षाएं, मूल्यांकन और अन्य आवश्यक कार्य पूर्व निर्धारित समय सारिणी के अनुसार जारी रहेंगे। जो शिक्षक इस छुट्टी के दौरान परीक्षा या शैक्षणिक कार्यों में अपना योगदान देंगे, उन्हें इसके बदले नियमानुसार प्रतिकर अवकाश दिया जाएगा, जिसे प्राचार्य स्तर पर समायोजित किया जा सकेगा।

चक्कर लगाकर गर्मी में हुआ परेशान

मैनपुरी से आए योगेश कर्दम ने बताया कि पेट रोग की परेशानी है। महीने भर की दवा लेकर जाता हूं। बाग फरजाना, फव्वारा गया, लेकिन हड़ताल के कारण दवा नहीं मिल पाई। गर्मी से बुरा हाल हो गया।

दो संगठनों का विरोध, खोले मेडिकल स्टोर : आगरा महानगर केमिस्ट एसोसिएशन और आगरा रिटेल केमिस्ट एसोसिएशन ने हड़ताल का विरोध किया। इसके चलते इनके सदस्यों ने मेडिकल स्टोर संचालित किए। इससे मरीजों को राहत मिली। इसकी जानकारी पर कई मरीज इन स्टोरों पर जाकर दवाएं भी खरीदीं। आगरा रिटेल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष ब्रह्मभट्ट, संस्थापक श्याम तिवारी, महामंत्री राजीव शर्मा, सतीश पाठक और कपिल बंसल ने बताया कि हमारे 1,400 सदस्य हैं, इन्होंने अपने प्रतिष्ठान खोले, जिन पर भीड़ लगी रही। आगरा महानगर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष शर्मा, संस्थापक गिरधारी लाल भग्त्यानी, चेयरमैन संजय चौरसिया, संरक्षक कपूर चंद अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता और चंद्रप्रकाश पाहुजा ने बताया कि मरीजों के हित के लिए हड़ताल का बहिष्कार करते हुए संगठन के सदस्यों ने स्टोर खोले।

हथियार से लैस होकर कार से आए थे बदमाश, एक युवक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

आजमगढ़, एजेंसी। आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव में बुधवार देर रात हुई ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। चार पहिया वाहन से जा रहे दो युवकों पर अज्ञात बदमाशों ने अचानक हमला कर दिया। बदमाशों ने युवकों को निशाना बनाते हुए कई राउंड फायरिंग की, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया गया। चिकित्सकों ने उपचार के दौरान एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे युवक का इलाज चल रहा है। घायल युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक के परिजनों में घटना के बाद कोहराम मचा हुआ है। गांव में दहशत और तनाव का माहौल बना हुआ है।

सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद एसपी अस्पताल पहुंचे और घायल युवक से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने घटनास्थल से कई अहम साक्ष्य जुटाए हैं। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि घटना के शीघ्र खुलासे के लिए कई पुलिस टीमें गठित की गई हैं। सर्विलांस और एसओजी टीम को भी जांच में लगाया गया है। पुलिस पुरानी रंजिश, आपसी विवाद और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दौड़ती कार बनी आग का गोला, कूदकर बचाईं लोगों ने जान

आगरा एजेंसी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बृहस्पतिवार सुबह टोल प्लाजा 21 के पास चलती कार अचानक आग का गोला बन गई। कार सवार चार लोगों ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस के मुताबिक नारायण दास जी महाराज निवासी वृंदावन तीन अन्य लोगों के साथ कार से मथुरा से लखनऊ की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 7:20 बजे जैसे ही उनकी कार फतेहाबाद स्थित टोल प्लाजा 21 पर पहुंची, तभी अचानक कार में आग लग गई। आग की लपटें उठते देख कार सवार तुरंत बाहर निकल आए।

सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी।वही कार में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। इंस्पेक्टर क्राइम राजवीर सिंह ने बताया कि कार में आग लगने की घटना हुई थी। सभी कार सवार सुरक्षित हैं। प्रथम दृष्टया आग शॉर्ट सर्किट से लगना प्रतीत हो रहा है।

ग्रेटर आगरा में प्लॉटों की कीमत हुई तय, एडीए की सीमा में शामिल होंगे 98 नए गांव

आगरा, एजेंसी। आगरा विकास प्राधिकरण की 152वीं बोर्ड बैठक में बुधवार को ग्रेटर आगरा और जूता मंडी में भूमि की दरों पर मुहर लगाई गई। ग्रेटर आगरा में आवासीय भूखंड 33 हजार रुपये और जूता मंडी में भूतल पर 78 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से मिल सकेंगे। इसके अलावा एडीए की सीमा में 98 नए गांवों को भी शामिल किया जाने का फैसला हुआ।

मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप की अध्यक्षता में एडीए बोर्ड बैठक में बुधवार को कई अहम फैसले हुए। ग्रेटर आगरा और जूता मंडी के अलावा ताजनगरी फेज-2 के जर्जर ईडब्ल्यूएस आवासों को गिराने और आवंटियों को दूसरी जगह शिफ्ट करने का निर्णय

हुआ। वहीं, इनर रिंग रोड के टोल प्लाजा को मानसून से पहले चालू करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में शहर के विकास, सीमा विस्तार और नई योजनाओं को लेकर कई प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हो गए।

बैठक में हुए यह निर्णय.....

ग्राम रायपुर-रहनकलां में प्रस्तावित ग्रेटर आगरा योजना में आवासीय भूखंड (प्लॉट) की दर 33 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर होगी। वहीं, ग्रुप हाउसिंग के लिए यह दर आवासीय से डेढ़ गुना लगभग 50 हजार और व्यावसायिक भूखंडों के लिए 66 हजार रुपये वर्ग मीटर होगी। सार्वजनिक सुविधाओं वाले भूखंड आवासीय दर पर ही मिलेंगे।

ताजनगरी फेज-2 में प्राधिकरण द्वारा बनाए गए दुर्बल आय वर्ग के भवनों को गिराया जाएगा। आईआईटी रुड़की और पीडब्ल्यूडी की जांच में इन भवनों को जर्जर और खतरनाक घोषित किया गया है। मंडलायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि यहां रहने वाले आवंटियों की सहमति लेकर उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए और उसके बाद इन जर्जर इमारतों को ध्वस्त कर यहां नई प्लानिंग की जाए।

फार्मा एसोसिएशन की हड़ताल से 60 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ चौपट, दवा न मिलने से लोग रहे परेशान

आगरा , एजेंसी। आगरा फार्मा एसोसिएशन की एक दिन की हड़ताल से 60 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। शहर और देहात में थोक और फुटकर मेडिकल स्टोर बंद रहे। यहां से दूसरे जिलों के मेडिकल स्टोर भी दवाएं खरीदकर ले जाते हैं।

जिले में करीब 8,100 दवा विक्रेता हैं। इसमें 5,100 रिटेल और 3,000 थोक दवा विक्रेता हैं। औसतन एक दिन में 60 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होता है। इसमें दैनिक मरीजों के अलावा दूसरे जिलों के फुटकर विक्रेता भी दवाएं खरीदकर ले जाते हैं। अध्यक्ष अनूप बंसल ने बताया कि औसतन एक दिन में 60 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। हड़ताल से कारोबार प्रभावित हुआ है। करीब थोक व फुटकर के करीब छह हजार से अधिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने बताया कि जिले में 8,100 दवा विक्रेता हैं। टीम बाजार में सक्रिय रही। इसकी रिपोर्ट बनाकर शासन को भेज दिया है।

ये बोले मरीजः

पर्चा लेकर दवा को भटकता रहा

एटा के रहने वाले महेश चंद ने बताया कि यमुनापार में हड्डी रोग के डॉक्टर को दिखाया, दवा लेने के लिए ट्रांस यमुना-रामबाग गया, लेकिन मेडिकल स्टोर बंद थे। अगले दिन आने के लिए कहा।

बच्चे की नहीं मिली दवा

शाहगंज निवासी नूर मोहम्मद ने कहा कि बच्चे की दवा लेने के लिए आए थे, लेकिन मेडिकल स्टोर बंद मिले। कई जगह देखा, लेकिन हड़ताल के कारण दवा नहीं मिल पाई। लौटना पड़ा। फिरोजाबाद निवासी अनूप कुमार का कहना है कि पिता की दवा नहीं मिल सकी- पिताजी को सांस की बीमारी है। पर्चा लेकर फव्वारा आया, यहां मेडिकल स्टोर बंद थे। लोगों ने बताया कि हड़ताल है, बृहस्पतिवार को आना।

दुष्कर्म के बाद बालक की हत्या करने वाले दो दोषियों को उम्रकैद, कोर्ट ने जुर्माना भी लगाया

बरेली, एजेंसी। बरेली के स्पेशल जज एससी-एसटी एक्ट अभय श्रीवास्तव ने बुधवार को 11 साल के बालक के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या के दोषी इज्जतनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशन श्रीवास्तव और हिमांशु शर्मा को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उन पर 65-65 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

इज्जतनगर थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका 11 साल का बेटा घर के बाहर खेल रहा था। गांव के ही किशन श्रीवास्तव और हिमांशु शर्मा ने उसके बेटे को 50 रुपये देने का लालच देकर दुष्कर्म किया। बेटे ने रुपये मांगे तो दोनों ने इन्कार कर दिया।

भेद खुलने के डर से की थी हत्या : बेटे ने इस बारे में सभी को बता देने की बात कही। भेद खुलने के डर से किशन और हिमांशु ने रस्सी से गला घोंटकर उसके बेटे की हत्या कर दी और शव गन्ने के खेत में छिपा दिया। विवेचना के बाद पुलिस ने अपहरण, एससी-एसटी एक्ट और हत्या की धाराओं में चार्जशीट दाखिल कर दी।

सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से नौ गवाह पेश किए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने किशन और हिमांशु को अपहरण, एससी-एसटी एक्ट, हत्या और साक्ष्य मिटाने के आरोपों में दोषी करार देते हुए कैद व जुर्माने की सजा सुनाई है।

पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट के दोषी को उम्रकैद : बरेली के स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट हेमेंद्र कुमार सिंह ने पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट के दोषी सिरौली थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासी खुशीराम को आजीवन कारावास और 45 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने बुधवार को यह फैसला सुनाया। सिरौली थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके बेटे बाहर रहकर नौकरी करते हैं। गांव के घर में वह उसकी पत्नी और नाबालिग बेटी रहती है। एक दिसंबर 2021 की शाम सात बजे बेटी घर में अकेली थी।

मौका पाकर गांव का ही खुशीराम घर में घुस आया। वह बेटी को घर से उठाकर ले गया और जंगल में उसके साथ दुष्कर्म किया।

सीएम योगी बोले- विभाग व ठेकेदारों की गलती के लिए जनप्रतिनिधि जिम्मेदार नहीं, पीडब्ल्यूडी को सख्त चेतावनी

मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग की वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग की कार्यशैली पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि विभागीय कमियों या ठेकेदारों की गलतियों की जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों पर नहीं डाली जा सकती। विकास कार्यों की गुणवत्ता और तय समय में उन्हें पूरा कराना विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को लोक निर्माण विभाग की वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। बैठक में सभी जिलाधिकारी, मंत्री और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सीएम ने निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और मानकों से

कोई समझौता न किया जाए।

प्रत्येक जिले से स्थानीय जरूरतों के अनुसार प्रस्ताव तैयार कर एक सप्ताह के भीतर शासन को भेजे जाएं। जून के पहले सप्ताह में कार्ययोजना को मंजूरी दे दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर योजनाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए।

योगी ने कहा कि परियोजनाओं में अपनी पसंद से चयन (पिक एंड चूज) करने वाली प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए। हर परियोजना के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए और पिछले वर्ष स्वीकृत योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट समय से शासन को भेजी जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि लोक निर्माण विभाग हर जिले में टीम भेजकर विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कराए।

बैठक के दौरान प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी अजय चौहान ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी दिया। इसमें बताया गया कि वित्त वर्ष 2026-2027 के लिए अब तक 30000 से अधिक प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावों को समय से धरातल पर उतारा जाए।

इस अवसर पर केंद्रीय पशुपालन और डेयरी राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री अरुण कुमार सक्सेना, लोक निर्माण राज्यमंत्री ब्रजेश सिंह भी मौजूद रहे।

हर ब्लॉक में बनाएं हेलीपैड

मुख्यमंत्री ने कहा कि इमरजेंसी सेवाओं को ध्यान में रखते हुए हर ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय के पास हेलीपैड बनाए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इनके रखरखाव की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग ले। इनके प्रयोग के लिए निर्धारित शुल्क व्यवस्था भी की जाए।

तारकोल की जगह सीसी रोड पर बढ़ेगा जोर

मुख्यमंत्री ने ईंधन और बिटुमिन (तारकोल) की उपलब्धता पर पड़ रहे प्रभाव का जिक्र करते हुए लोक निर्माण विभाग को तकनीकी नवाचार अपनाने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि दो किलोमीटर तक के ग्रामीण मार्गों पर सीसी रोड का निर्माण कराया जाए। बिटुमिन की खपत कम करने के लिए सीमेंट ट्रीटेड बेस तकनीक को प्राथमिकता से अपनाया जाए। नगर विकास विभाग की सीएम ग्रिड योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह शहरी कनेक्टिविटी को मजबूत करने की महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन इसकी गति बढ़ाने की आवश्यकता है। प्रदेश के प्रत्येक मोहल्ले और कॉलोनी तक बेहतर सड़क बने।

सिर के अंदर हड्डी को तोड़ते हुए पार निकल गई गोली

अलीगढ़ , एजेंसी। थाना क्वार्सी क्षेत्र में अवैध तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या करने वाले हेड कांस्टेबल अनिल कुमार के बेटे विशेष कुमार के शव का पोस्टमार्टम किया गया तो सिर में गोली फंसी हुई नहीं मिली। पाया गया कि दाईं ओर से मारी गई गोली सिर के अंदर की हड्डी को तोड़ती हुई और अंदर के हिस्से को फाड़ती हुई बाईं ओर आरपार निकल गई। शव के एक्सरे में भी गोली फंसी नहीं पाई गई। शॉकवेव, अत्यधिक ब्लीडिंग और प्रेशर की वजह से पूरा सेंट्रल नर्वस सिस्टम तुरंत ठप हो गया। चिकित्सक मानते हैं कि तड़पने का भी मौका नहीं मिला होगा और तुरंत मौत हो गई। पोस्टमार्टम के दौरान पाया गया कि गोली खोपड़ी को तोड़कर दिमाग के आर-पार निकली तो अपने पीछे तबाही का एक रास्ता छोड़ गई। दिमाग के भीतर कई तरह के गंभीर डैमेज होने से ही तत्काल मृत्यु हो गई। गोली ने अपने आकार और गति से दिमाग के ऊतकों को चीरा और आगे बढ़ते हुए परमानेंट कैविटी तैयार कर दी।

संक्षिप्त समाचार

हमारी सरकार में दिल्ली वाले भूल चुके थे पावर कट, बंद हो गए थे इनवर्टर...

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि दिल्ली में लोग पिछले साल की

तरह इस बार भी भीषण गर्मी में पावर कट की मार झेलने को मजबूर हैं। आप ने कहा है कि एक तरफ दिल्ली का तापमान 45 डिग्री के पार चले जाने के कारण लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है तो दूसरी तरफ भाजपा सरकार ने पूरी दिल्ली में बार-बार पावर कट करके लोगों का जीवन कठिन बना दिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पावर कट की शिकायतों को लेकर इंटरनेट मीडिया के कुछ स्क्रीनशॉट साझा कर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पावर कट से दिल्लीवाले बेहाल हैं और भाजपा सरकार कुछ नहीं कर रही है। केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि 45 डिग्री की भीषण गर्मी में पूरी दिल्ली में पावर कट लग रहे हैं। दिल्लीवाले बेहाल हैं।कभी भी लाइट कट जा रही है। कहा कि हमारी सरकार में दिल्ली में लोग पावर कट भूल चुके थे। इनवर्टर बिकने बंद हो गए थे। भाजपा ने सत्ता में आते ही दिल्ली को 15 साल पीछे धकेल दिया है।

अभिजीत अय्यर मित्रा को झटका, एफआईआर पर रोक का आदेश दिल्ली एचसी से रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने डिफेंस एनालिस्ट अभिजीत अय्यर मित्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने पर लगी रोक को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए सत्र अदालत के आदेश को रद कर दिया। अदालत ने कहा कि बिना कारण दिया गया रोक का आदेश टिक नहीं सकता और इस तरह की रोक संतोषजनक नहीं है। न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने ऑनलाइन मीडिया पोर्टल न्यूजलांड्री की एडिटोरियल निदेशक मनीषा पांडे की याचिका पर सुनवाई करते हुए चार मई 2026 के सत्र अदालत के आदेश को निरस्त कर दिया और मामले को दोबारा सुनवाई के लिए वापस भेज दिया। वहीं, मित्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने भी स्वीकार किया कि बिना कारण वाला आदेश टिक नहीं सकता। 22 मई को अदालत में पेश होने का आदेश हाई कोर्ट ने निर्देश दिया कि सत्र अदालत दोनों पक्षों को सुनकर एक कारणयुक्त आदेश पारित करे। अदालत ने पक्षकारों को 22 मई को सत्र अदालत में पेश होने को कहा है। दरअसल, 23 अप्रैल को मजिस्ट्रेट अदालत ने मित्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मनीषा पांडे समेत न्यूजलांड्री की नौ महिला पत्रकारों के खिलाफ आपत्तिजनक यौन टिप्पणियां की थीं।

क्या आप 'बापू' से कुछ पूछना चाहते हैं? तो चले आइए प्रधानमंत्री संग्रहालय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री संग्रहालय में आने वाले आगंतुक अब महात्मा गांधी के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संचालित 3डी अवतार से बातचीत कर सकते हैं। संग्रहालय ने बुधवार को एआई-संचालित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया, जो अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से बापू की आत्मा को जीवंत करती है। एआई-संचालित इंटरैक्टिव होलोबाक्स इंस्टालेशन प्रधानमंत्री संग्रहालय में इस प्रकार की तीसरी प्रदर्शनी है। 25 मार्च को दी थी कि संग्रहालय ने मई के अंत में एआई आधारित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के होलोबॉक्स को शुरू करने की योजना बनाई थी। तीसरा होलोबॉक्स लॉन्च किया गया एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बेहतर संवाद और आगंतुकों की संतुष्टि के लिए संग्रहालय ने प्रौद्योगिकी के उपयोग को मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि संग्रहालय ने आज अपना तीसरा एआई-संचालित इंटरैक्टिव होलोबॉक्स लॉन्च किया।

दिल्ली-एनसीआर में कैब-ऑटो की हड़ताल, 68 से ज्यादा यूनियन 'चक्का जाम' में शामिल

बेहतर वेतन और एप पॉलिसी की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआइएमटीसी) के आह्वान पर व्यावसायिक वाहनों की तीन दिवसीय हड़ताल आज गुरुवार (21 मई) से शुरू हो गई है। इस हड़ताल में कैब-ऑटो और ट्रक सहित व्यावसायिक गाड़ियां शामिल हैं। 68 से ज्यादा यूनियन ने 21 मई से 23 मई तक 'चक्का जाम' में शामिल होने का एलान किया है। हड़ताल के चलते एनसीआर के लाखों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यूनियनों की मांग है कि ईंधन (पेट्रोल-डीजल और सीएनजी) की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बाद दिल्ली-एनसीआर में किराए में संशोधन किया जाए। साथ ही एप पॉलिसी की मांग की है। हड़ताल का आह्वान कमर्शियल वाहन यूनियनों ने किया है, जिसमें 'चालक शक्ति यूनियन' भी शामिल है। इस यूनियन ने दिल्ली के उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री और पुलिस कमिश्नर को लेटर लिखकर उन्हें इस आंदोलन के संबंध में जानकारी दी है। इस पत्र में यूनियन ने तर्क दिया है कि दिल्ली-एनसीआर में टैक्सी और कमर्शियल वाहनों

का किराया पिछले लगभग 15 सालों से नहीं बदला है, जबकि सीएनजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इसमें कहा गया है कि ईंधन की कीमतों में बार-बार हुई बढ़ोतरी के कारण ड्राइवरों के लिए अपने खर्चों का प्रबंधन करना मुश्किल होता जा रहा है।

गुरुग्राम में ट्रांसपोर्ट यूनियन की हड़ताल का असर नहीं: ट्रांसपोर्ट यूनियन की हड़ताल से गुरुग्राम में कोई असर नहीं है। यहां की गाड़ियां दिल्ली नहीं जायेंगी। ट्रांसपोर्ट यूनियन के लोग इन्हें बॉर्डर पर रोकेंगे। दिल्ली से गुरुग्राम आने पर कोई रोक नहीं है। गुरुग्राम की गाड़ियां गुरुग्राम में चलती रहेंगी।

क्या है यूनियनों की मांगें?= टैक्सी और ऑटो के किराए में तुरंत बदलाव किया जाए। कमर्शियल गाड़ियों पर लगाए गए एनवायरनमेंट कंपनसेशन चार्ज में बढ़ोतरी को वापस लिया जाए। नवंबर 2026 से दिल्ली-एनसीआर में बीएस-4 और उससे पुरानी कमर्शियल गाड़ियों के आने पर लगाए जाने वाले प्रस्तावित बैन पर फिर से विचार किया जाए। एप-बेस्ड कैब एग्रीगेटर्स पर और सख्त नियम लागू किए जाएं। बढ़ते ऑपरेशनल खर्च और ईंधन की कीमतों से राहत दी जाए। ट्रांसपोर्टरों ने हाल ही में हुई बढ़ोतरी पर भी आपत्ति जताई है, जिसके तहत दिल्ली में आने वाली हल्की कमर्शियल गाड़ियों और ट्रकों के लिए चार्ज में भारी बढ़ोतरी की गई थी।

गाजियाबाद में नहीं दिखा हड़ताल का असर, सड़कों पर दौड़ रहे ऑटो-टैक्सी और कैब

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रांसपोर्ट यूनियन की ओर से अपनी मांगों को लेकर तीन दिन (21 मई से 23 मई) तक चक्का जाम की अपील की है। इसका असर फिलहाल गाजियाबाद में कम दिख रहा है। ऑटो और कैब सड़क पर चल रही हैं, सिर्फ लोडिंग वाहनों के लिए चक्का जाम की अपील की गई है। हालांकि, हाईवे पर लोडिंग वाहन भी चलते दिख रहे हैं। गाजियाबाद ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारी सौदान सिंह गुर्जर ने बताया कि अभी वाहन चालकों को समझाया जा रहा है, जो वाहन बाहर गए थे वह वापस आ रहे हैं। बताया कि जो वाहन जिले में आए हैं।

एक्सीडेंट में घायल 8 साल के बच्चे को मुआवजे से इनकार, कोर्ट ने दावा खारिज कर बोला- सिर्फ चार्जशीट ही काफी नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। सुंदर नगरी में सड़क हादसे में घायल आठ साल के बच्चे को मुआवजा देने से इनकार करते हुए कड़कड़डूमा अदालत ने कड़ी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि केवल चार्जशीट के आधार पर जिम्मेदारी तय नहीं की जा सकती। अदालत ने साफ कहा कि दावों को साबित करने के लिए विश्वसनीय और ठोस साक्ष्य अनिवार्य हैं। ऐसा नहीं करने पर हर मामले में बिना जांच के मुआवजा देना पड़ेगा। दिल्ली मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूरल ने 2023 के एक सड़क हादसे से जुड़े मामले में यह फैसला सुनाया।

पीठासीन अधिकारी विजय कुमार झा ने कहा कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में असफल रहे कि बच्चे को गंभीर चोटें लापरवाह और तेज रफ्तार ड्राइविंग के कारण लगी थीं। मामला सुंदर नगरी का है, जहां मार्च 2023 में आठ वर्षीय आतिफ अपने पिता के साथ सड़क पार कर रहा था। आरोप था कि एक मोटरसाइकिल चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मारी। साक्ष्यों और गवाहियों में सामने आए विरोधाभाष इस मामले में नंद

नगरी थाने में केस दर्ज कर चार्जशीट भी दायर की गई थी। ट्रिब्यूनल को साक्ष्यों और गवाहियों में कई विरोधाभास मिले। अस्पताल के रिकॉर्ड में यह नहीं पाया गया कि बच्चे के पिता उसे अस्पताल लेकर गए थे।

अदालत ने कहा कि यदि केवल चार्जशीट के आधार पर मुआवजा दिया जाए, तो न्यायिक प्रक्रिया का उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा। साथ ही जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा गया कि महत्वपूर्ण गवाहों और परिस्थितियों की ठीक से जांच नहीं की गई। ट्रिब्यूनल ने यह भी पाया कि हादसे में शामिल बताए गए वाहन की पहचान संदिग्ध है और संभावना है कि उसे बाद में मामले में प्लांट किया गया हो। इसके बाद मुआवजे की मांग को खारिज कर दिया गया।

दिल्ली में बिजली की मांग ने बनाया नया रिकॉर्ड, न्यूनतम डिमांड भी पहुंची 5000 एमडब्ल्यू के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले कई दिनों से तापमान बढ़ने के साथ ही लू की स्थिति बनी हुई है। इससे बिजली की खपत बढ़ गई है। मई माह में ही मांग आठ हजार मेगावाट से ऊपर पहुंच गई है। पिछले वर्षों की तुलना में इस बार

मांग अधिक है। अधिकतम मांग के साथ ही न्यूनतम मांग में भी वृद्धि देखी जा रही है। इससे पहले मई में बिजली की मांग आठ हजार मेगावाट से अधिक वर्ष 2024 में पहुंची थी। उस वर्ष भी 29, 30 व 31 मई को मांग आठ हजार मेगावाट से अधिक पहुंची थी। इस बार 20 मई को ही मांग आठ हजार से ऊपर दर्ज की गई है। वहीं, न्यूनतम मांग भी पांच हजार मेगावाट से ऊपर पहुंच गई है।

मई के शुरू में न्यूनतम मांग चार हजार मेगावाट के आसपास रहती थी। पिछले सप्ताह यह लगभग 45 सौ मेगावाट के आसपास थी। बुधवार को यह 5174 मेगावाट दर्ज हुई थी। बृहस्पतिवार को यह बढ़कर 5211 मेगावाट पहुंच गई। बिजली वितरण अधिकारियों का कहना है कि तापमान अधिक बढ़ने व लू के कारण एयर कंडीशनर, कूलर सहित अन्य उपकरण अधिक प्रयोग किए जा रहे हैं जिससे बिजली की मांग बढ़ रही है। कुछ स्थानों पर लोड बढ़ने से ट्रिपिंग की समस्या भी हो रही है।

दिल्ली में दो अंतरराज्यीय बदमाश गिरफ्तार, नोएडा की 12 वारदातों का हुआ खुलासा; चोरी की 6 बाइक बरामद

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पूर्वी जिले में एएटीएस टीम ने दो शातिर अंतरराज्यीय बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से छह चोरी के दोपहिया वाहन और झपटमारी के पांच मोबाइल बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान राजबीर कॉलोनी निवासी मनोज उर्फ विनय उर्फ टिल्लू और अनुराग उर्फ अंकित के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार रावल ने बताया कि पुलिस टीम इलाके में गश्त, बदमाशों पर निगरानी और तकनीकी सर्विलांस का सहारा ले रही है। इसी दौरान 19 मई को सूचना मिली कि नोएडा में मोबाइल स्नैचिंग की वारदात में शामिल दो बदमाश चोरी की बाइक पर न्यू अशोक नगर इलाके में आने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाया। कुछ देर बाद काले रंग की हीरो स्प्लेंडर बाइक पर दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन टीम ने पीछा कर उन्हें दबोच लिया। गिरफ्तार जांच में पकड़ी गई बाइक थाना मंडावली से चोरी की निकली।

पूछताछ के बाद पुलिस ने उनकी निशानदेही पर गढ़ोली स्थित गोशाला रोड के पास छिपाकर रखी गई 4 और चोरी की मोटरसाइकिल, एक स्कूटी तथा 5 मोबाइल फोन बरामद

किए। नोएडा के 12 मामलों का हुआ खुलासा पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी वाहन चोरी, मोबाइल स्नैचिंग और लूट की कई वारदातों में शामिल रहे हैं। इस कार्रवाई से ईस्ट डिस्ट्रिक्ट और नोएडा के कुल 12 मामलों का खुलासा हुआ है। फिलहाल पुलिस इनके अन्य साथियों और चोरी का सामान खरीदने वाले नेटवर्क की जांच कर रही है।

क्यूबा पर बढ़ते तनाव के बीच कैरेबियन सागर पहुंचा यूएसएस निमित्ज, अमेरिका ने बढ़ाई सैन्य मौजूदगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी 'द हिल' की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार,

इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है। अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए-18जी ग्रोवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान और सी-2 ग्रेहाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और स्नहस-पटक्सेंट ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है। 1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया था। यह जानकारी ब्राजील में अमेरिकी दूतावास द्वारा दी गई थी।

न्यू मैक्सिको में रहस्यमयी पदार्थ के संपर्क में आने से तीन लोगों की मौत, कई राहतकर्मी प्रभावित

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। न्यू मैक्सिको के माउंटेनएयर इलाके में एक संदिग्ध ड्रग ओवरडोज मामले में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, राहत और बचाव कार्य में शामिल कई आपातकर्मी एक अज्ञात पदार्थ के संपर्क में आने के बाद बीमार पड़ गए। न्यू मैक्सिको स्टेट पुलिस के अनुसार, अल्बुकर्क के पूर्व में स्थित एक ग्रामीण घर में चार लोग बेहोशी की हालत में मिले थे। इनमें से तीन की मौत हो गई, जबकि चौथे व्यक्ति का इलाज अल्बुकर्क के एक अस्पताल में चल रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि राहत अभियान के दौरान 18 आपातकर्मी भी उस अज्ञात पदार्थ के संपर्क में आ गए। इसके बाद उनमें मतली और चक्कर आने जैसे लक्षण दिखाई दिए। सभी को यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी निगरानी की जा रही है।

स्टेट पुलिस के अधिकारी विल्सन सिल्वर ने बताया कि दो राहतकर्मियों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटनास्थल पर अल्बुकर्क फायर रेस्क्यू की टीम भी मौजूद है, जो उस पदार्थ की पहचान करने की कोशिश कर रही है। विल्सन सिल्वर ने कहा

कि शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि यह पदार्थ संपर्क के जरिए फैल सकता है और फिलहाल इसे हवा के जरिए फैलने वाला नहीं माना जा रहा है। जांच जारी रहने के बीच माउंटेनएयर के मेयर पीटर निएतो ने सोशल मीडिया पर कहा कि शुरुआती संकेत नशीले पदार्थों की ओर इशारा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आम लोगों के लिए फिलहाल कोई खतरा नहीं है और घर के आसपास सुरक्षा घेरा बना दिया गया है। हालांकि, घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर समुदाय में बढ़ते नशे के इस्तेमाल को लेकर चिंता और नाराजगी जाहिर की। मेयर निएतो ने कहा कि स्थानीय पुलिस और राहतकर्मी रोजाना समुदाय की सुरक्षा और कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए काम करते हैं, लेकिन नशे और मादक पदार्थों की लत पूरे राज्य और देश की बड़ी समस्या बन चुकी है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का कोई आसान या त्वरित समाधान नहीं है और स्थायी बदलाव के लिए परिवार का सहयोग, जवाबदेही, शिक्षा और मदद स्वीकार करने की इच्छा जरूरी है।

सिर्फ जन्मजात अमेरिकी ही संभालें सत्ता: अमेरिकी संसद में प्रस्ताव पेश; जमकर हो रहा विरोध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में प्राकृतिक रूप से नागरिकता हासिल करने वाले लोगों के अधिकारों को लेकर नई बहस छिड़ गई है। रिपब्लिकन सांसद नैन्सी मेस ने एक संवैधानिक संशोधन प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें प्राकृतिक रूप से अमेरिकी नागरिक बने लोगों को कांग्रेस सदस्य, संघीय न्यायाधीश और सीनेट की पुष्टि वाले महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त होने से रोकने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव को लेकर डेमोक्रेटिक नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे नस्लवादी, घृणित और विदेशी मूल के लोगों के खिलाफ बताया है। साउथ कैरोलिना की सांसद मेस ने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय से लंबित संवैधानिक संशोधन पेश किया है। उन्होंने तर्क दिया कि अमेरिका के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति बनने के लिए पहले से ही नेचुरल बॉर्न सिटिजन यानी जन्म से अमेरिकी नागरिक होना जरूरी है, इसलिए यही नियम कांग्रेस, संघीय अदालतों और सीनेट से मंजूर होने वाले पदों पर भी लागू होना चाहिए। मेस ने अपने पोस्ट में डेमोक्रेटिक सांसदों इल्हान उमर, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार की तस्वीरें भी साझा कीं।

कौन बनेगा अमेरिका का अगला राष्ट्रपति, जेडी वेंस, मार्को रुबियो में ट्रंप की पसंद कौन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उत्तराधिकारी और साल 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार को लेकर अंदरूनी राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। वाइट हाउस का प्रेस ब्रीफिंग रूम इन दिनों इस आगामी मुकाबले के लिए एक अनौपचारिक ऑडिशन स्टेज में तब्दील हो चुका है। दो हफ्ते पहले विदेश मंत्री मार्को रुबियो के पोडियम संभालने के बाद अब उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भी मीडिया के सामने मोर्चा संभालते नजर आते हैं। वाइट हाउस की नियमित प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के मैटरनिटी लीव पर होने के कारण दोनों बड़े नेताओं को बैक-टू-बैक प्रेस ब्रीफिंग की जिम्मेदारी दी गई, जिसे विशेषज्ञ 2028 की दावेदारी के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहे हैं। मंगलवार को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने लगभग एक घंटे तक पत्रकारों के तीखे और उलझाते सवालों का सामना किया। इस दौरान पत्रकारों के एक साथ चिल्लाने और सवाल पूछने की होड़ पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मार्को रुबियो बिल्कुल सही कह रहे थे, यह जगह वाकई किसी अराजकता से कम नहीं है। वेंस ने पत्रकारों के बैठने की व्यवस्था पर भी हल्के-फुल्के अंदाज में मजाक किया। हालांकि, नीतिगत सवालों के जवाब देते समय उनका लहजा काफी नपा-तुला और संयत था। यह

राष्ट्रपति ट्रंप की सीधी और आक्रामक शैली से अलग छाप छोड़ रहा था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जेडी वेंस ने ट्रंप प्रशासन की नीतियों का पुरजोर समर्थन किया। वेंस ने ईरान के खिलाफ उठाए गए कदमों को सही ठहराते हुए प्रशासन के फैसले का बचाव किया। वहीं, राजनीतिक उत्पीड़न के शिकार होने का दावा करने वाले ट्रंप के सहयोगियों को मुआवजा देने के लिए बनाए गए नए 1.7 अरब डॉलर के फंड को उन्होंने जायज ठहराया। ब्रीफिंग के दौरान जब एक पत्रकार ने वेंस को संभावित भावी उम्मीदवार कहकर संबोधित किया, तो वेंस ने तुरंत स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, मैं कोई संभावित भावी उम्मीदवार नहीं हूं। मैं अभी देश का उपराष्ट्रपति हूं। मुझे अपना काम बेहद पसंद है और मैं इस जिम्मेदारी को जितनी अच्छी तरह से हो सके इसे निभाने की कोशिश कर रहा हूं। भले ही जेडी वेंस और मार्को रुबियो दोनों ही 2028 की अपनी राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षाओं को सार्वजनिक रूप से तवज्जो नहीं दे रहे हैं, लेकिन खुद डोनाल्ड ट्रंप इस रेस को हवा देने में पीछे नहीं हैं। पिछले हफ्ते वाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित एक डिनर के दौरान ट्रंप ने मेहमानों का मूड भांपने के लिए पूछा, जेडी वेंस किसे पसंद हैं? और मार्को रुबियो किसे पसंद हैं? दोनों ही नामों पर मेहमानों ने लगभग बराबर उत्साह के साथ तालियां बजाईं। ट्रंप ने कहा कि अगर ये दोनों नेता एक साथ चुनावी मैदान में उतरें तो यह एक परफेक्ट टिकट होगा।

संपादकीय | दहेज की जकड़ में घुटती महिलाओं की जिंदगी

किसी भी समाज के सभ्य होने की कसौटी यह है कि वह अपने बीच परंपरा से चली आ रही वैसी कुप्रथाओं से किस हद तक मुक्ति हासिल कर पाता है, जो अमानवीय होने के साथ कानूनन अपराध भी हैं। मगर ऐसा लगता है कि हमारे देश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को लेकर समाज एक तरह की उदासीनता में रहता है। नतीजतन, जहां आधुनिक मूल्यों के साथ हो रहे सामाजिक विकास के बीच महिलाओं के प्रति दुराग्रह और कुंठा की हिंसा की जगह पूरी तरह खत्म होनी चाहिए थी, वहां आज भी कई ऐसी परंपराएं मुखर दिखती हैं, जिनकी वजह से महिलाओं का जीवन-संघर्ष कई गुना बढ़ जाता है।

हालत यह है कि जिस दहेज जैसी समस्या के खिलाफ सबसे ज्यादा अभियान चले, बेहद सख्त कानूनी प्रावधान किए गए, उसकी वजह से आज भी अक्सर महिलाओं की जान जा रही है। अर्थव्यवस्था और विकास के चमकते आंकड़ों के बीच आखिर क्या ऐसा छूट रहा है कि न तो समाज अपनी ओर से इस विकृत परंपरा को छोड़ने के लिए संवेदनशील हो रहा है और न ही इस संबंध में बने सख्त कानूनों का खौफ दिखता है।

दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गिने जाने वाले नोएडा यानी गौतमबुद्ध नगर में दहेज उत्पीड़न के कारण एक महिला की मौत की खबर ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर किया है कि सामाजिक विकास की कसौटी पर हम कहां खड़े हैं और यह कितना अफसोसनाक है। कुछ ही दिन पहले भोपाल से भी दहेज की वजह से एक महिला की जान जाने की खबर आई थी। इन मामलों में महिला के परिवार वालों का स्पष्ट आरोप है कि शादी में भारी खर्च करने के बावजूद बाद के दिनों

में भी दहेज की लगातार मांग पूरी न हो पाने की वजह से उनकी बेटी की हत्या कर दी गई और उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई।

आए दिन सामने आने वाली ऐसी घटनाएं बताती हैं कि आम भारतीय परिवारों में दहेज की वजह से उत्पीड़न और हत्या की घटनाएं आज भी एक भयावह वास्तविकता बनी हुई हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के एक आंकड़े के मुताबिक अकेले 2022 में दहेज की वजह से 6,516 महिलाओं की मौत हुई थी।

माना जाता है कि परंपरा के नाम पर जारी कुछ अमानवीय कुप्रथाएं दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में समाज के वैसे हिस्से में चलन में होती हैं, जो किन्हीं वजहों से शिक्षा और प्रगतिशील मूल्यों से दूर रह गए या विकास के सफर में पिछड़ गए। मगर शायद यह बस एक धारणा है और दिल्ली, नोएडा या किसी बड़े महानगर में भी कई लोग कुरीतियों के निर्वाह को लेकर उतने ही संकीर्ण घेरे में जीते हैं।

यह समझना मुश्किल है कि उच्च शिक्षित और आधुनिक मूल्यों के साथ जीने वाले कथित संभ्रांत परिवारों के भीतर भी दहेज जैसी विकृत परंपरा के प्रति इतना मोह क्यों बचा हुआ है कि वे बहू के उत्पीड़न और कई बार हत्या कर देने की हद तक भी चले जाते हैं। विचित्र यह भी है कि ऐसे कई परिवार पहले से ही आर्थिक रूप से खासे समृद्ध होते हैं। इसके बावजूद उनके भीतर बहू के घर से धन हासिल करने की ऐसी अदम्य भूख होती है कि वे अपराध करने से भी नहीं हिचकते।

समस्या की जटिलता को समझे बिना अक्सर दहेज कानूनों के दुरुपयोग का सवाल उठाया जाता है, लेकिन आज भी दहेज की वजह से उत्पीड़न, आत्महत्या और हत्या की घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि इस मसले पर कड़ी कानूनी कार्रवाई से लेकर जनजागरूकता अभियानों की सख्त जरूरत है।

विश्वस्तरीय रेल सेवा के दावों के बीच यात्रियों की सुरक्षा पर गहराता भरोसे का संकट

रेल सेवा आम लोगों के लिए जीवन रेखा मानी जाती है, मगर यह सुविधा कई बार यात्रियों की जान पर भारी पड़ जाती है। सरकार की ओर से देश के रेल सेवा तंत्र को विश्वस्तरीय बनाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि कब और कहां रेल हादसा हो जाए, इसकी आशंका हमेशा बनी रहती है। पिछले दो दिन में तीन रेल हादसों ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता को और गहरा कर दिया है। बिहार के सासाराम में सोमवार को प्लेटफॉर्म पर खड़ी एक यात्री रेलगाड़ी में आग लग गई, जिससे एक डिब्बा पूरी तरह जल गया। दूसरा हादसा उत्तराखंड में ऋषिकेश के योगनगरी रेलवे स्टेशन पर रात को हुआ, जब ट्रैक बदलते समय उज्जैनी एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। इससे पहले रविवार को मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में राजधानी एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लगने की घटना सामने आई थी। गनीमत रही कि इन तीनों हादसों में कोई जनहानि नहीं हुई। मगर सवाल है कि इस तरह के हादसों से सबक लेकर हर स्तर पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाने को लेकर गंभीरता आखिर नदारद क्यों है? यह विचित्र विडंबना है कि एक ओर सुरक्षित सफर के लिए रेल सेवाओं को आधुनिक तकनीक से लैस करने पर जोर दिया जा रहा है, तो दूसरी तरफ बुनियादी सुरक्षा उपाय विभागीय अनदेखी की वजह से कमजोर पड़ते जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, सासाराम में रेलगाड़ी की एक बोगी में आग की घटना के समय स्टेशन पर अग्निशमन की माकूल व्यवस्था नहीं थी। न तो वहां रेलगाड़ी में पानी भरने के लिए बिछाई गई पाइपलाइन से तत्काल पानी उपलब्ध हो पाया और न ही स्टेशन पर रखे गए अग्निशमन सिलेंडरों में गैस थी। आग कैसे लगी, इसका भी कोई स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आया है। यह बात छिपी नहीं है कि इस तरह के रेल हादसों में नाममात्र की कार्रवाई होती है और बाद में जांच के नतीजे भी सार्वजनिक नहीं किए जाते हैं। कहने को रेलवे बोर्ड के लिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है, लेकिन व्यवस्थागत खामियों को जब तक दुरुस्त नहीं किया जाएगा और हर स्तर पर जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक सुरक्षित सफर की उम्मीद धुंधली ही रहेगी।

आज का कार्टून

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर 'चाइना प्लस वन' रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

ललित गर्ग

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में 'जी-2' यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि

भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर 'चाइना प्लस वन' रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा।

साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रुवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।

स्वस्थ लोकतंत्र में जवाबदेही और आलोचना दोनों जरूरी हैं...

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के 53वें मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के क्रम में याचिकाकर्ता की अपरिपक्व भाषा और समकालीन 'सिस्टम पर हमले की प्रवृत्ति' पर एक तल्ख टिप्पणी की और परजीवी तक कह डाला। लिहाजा इसको भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। हालांकि, यह टिप्पणी केवल न्यायपालिका तक सीमित नहीं है, बल्कि संसद, चुनाव आयोग, मीडिया, नौकरशाही और संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार बढ़ते अविश्वास, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सोशल मीडिया आधारित आक्रामक विमर्श की ओर संकेत करती है।

कमलेश पांडे

इसलिए इसके अहम सियासी और प्रशासनिक मायने हैं और संविधान का संरक्षक होने के नाते सर्वोच्च न्यायालय भी अपने नैतिक दायित्व से सिर्फ छिछली टिप्पणी करके बच नहीं सकता, क्योंकि उसे हासिल स्वतः संज्ञान का अधिकार भी गरीबों की भलाई में एक हदतक निरर्थक प्रतीत होता आया है। बावजूद इसके सीजेआई की टिप्पणी कई मायनों में जायज मानी जा सकती है, क्योंकि आज भारत सहित दुनिया के अनेक लोकतंत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि यदि किसी संस्था का निर्णय किसी राजनीतिक या वैचारिक समूह के पक्ष में नहीं जाता, तो पूरी संस्था की वैधता पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया जाता है। इससे संस्थागत विश्वास कमजोर होता है। लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि संस्थाओं की विश्वसनीयता से भी चलता है। मीडिया माध्यमों का अनुभव बताता है कि हाल के वर्षों में न्यायपालिका पर 'पक्षपात', चुनाव आयोग पर 'सरकारी प्रभाव', मीडिया पर 'प्रोपेगेंडा', और जांच एजेंसियों पर 'राजनीतिक उपयोग' जैसे आरोप लगातार तेज हुए हैं, जो दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का तर्क रहता है कि कई बार आलोचना के नाम पर संस्थाओं को जानबूझकर बदनाम करने का अभियान चलाया जाता है। ऐसे माहौल में सीजेआई का यह कहना कि 'पूरे सिस्टम पर हमला' लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है, एक संतुलित चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है।

हालांकि, इस टिप्पणी का दूसरा स्याह पक्ष भी है। लोकतंत्र में संस्थाओं की आलोचना करना नागरिकों और विपक्ष का अधिकार है। यदि किसी संस्था के निर्णयों, कार्यशैली या पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, तो उन्हें 'सिस्टम पर हमला' कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। चूंकि स्वस्थ लोकतंत्र में जवाबदेही और आलोचना दोनों जरूरी हैं। न्यायपालिका स्वयं कई ऐतिहासिक फैसलों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और असहमति के अधिकार को लोकतंत्र का मूल तत्व बता चुकी है।

दरअसल समस्या तब पैदा होती है जब आलोचना तथ्यों और संवैधानिक बहस की जगह व्यक्तिगत हमलों, दुष्प्रचार, ट्रोलिंग या संस्थाओं को पूरी तरह अवैध बताने तक पहुंच जाती है। इससे जनता का भरोसा टूटता है और लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है। इसलिए सीजेआई की टिप्पणी को पूरी तरह गलत भी नहीं कहा जा सकता और इसे आलोचना-विरोधी बयान भी नहीं माना जाना चाहिए। वस्तुतः इसका सार सत्य यह है कि संस्थाओं की आलोचना हो, लेकिन तथ्यों और संवैधानिक मर्यादा के साथ। असहमति हो, लेकिन लोकतांत्रिक ढांचे को ध्वस्त करने वाली भाषा से बचा जाए। संस्थाएं भी पारदर्शिता,

निष्पक्षता और आत्मसुधार बनाए रखें, ताकि जनता का विश्वास मजबूत रहे। लोकतंत्र में सबसे बड़ा संतुलन यही है कि संस्थाओं का सम्मान भी बना रहे और उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित होती रहे।

जहां तक विद्रूप होती व्यवस्था के कड़वे सच से सामना की बात है तो बेरोजगार युवाओं के भीतर यह भावना तेजी से बढ़ती जा रही है कि व्यवस्था में अवसर समान नहीं हैं। जब भर्ती प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, राजनीतिक संरक्षण, जातीय ध्रुवीकरण, क्षेत्रीय पक्षपात या आर्थिक प्रभाव की खबरें सामने आती हैं, तो स्वाभाविक रूप से निराशा और आक्रोश पैदा होता है। बांग्लादेश और नेपाल में हुई जेन-जेड क्रांति और नेतृत्व परिवर्तन के पीछे भी यही आरोप थे। यही कारण है कि कई युवा यह प्रश्न उठाते हैं कि यदि योग्यता के बजाय 'पहचान', 'संपर्क' या 'प्रभाव' ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाए, तो मेहनत और प्रतिभा का मूल्य क्या रह जाता है। आखिर ऐसी व्यवस्था को लोकतंत्र और संविधान की आड़ में कबतक झेला जाएगा?

लेकिन इस प्रश्न को संतुलन से समझना जरूरी है। चूंकि भारत जैसे विशाल और विविध समाज में कुछ नीतियां–जैसे- सामाजिक न्याय, आरक्षण, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व या कल्याणकारी योजनाएं–ऐतिहासिक असमानताओं को कम करने के उद्देश्य से बनाई गई थीं। लिहाजा, समस्या तब पैदा होती है जब इनका उपयोग वास्तविक सुधार के बजाय राजनीतिक लाभ, वोट बैंक या सत्ता-सुरक्षा के साधन के रूप में होने लगे। तब योग्य युवाओं को लगता है कि व्यवस्था निष्पक्ष नहीं है।

बहरहाल, आज बेरोजगार युवाओं की सबसे बड़ी पीड़ा केवल नौकरी की कमी नहीं, बल्कि 'समान अवसर पर भरोसे का संकट' है। उनकी शिकायतें मुख्यतः इन बिंदुओं पर केंद्रित हैं- भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और भ्रष्टाचार, राजनीतिक संरक्षण और भाई-भतीजावाद, लंबे समय तक भर्तियों का अटकना, योग्यता की तुलना में पहचान आधारित लाभ का अनुभव, निजी क्षेत्र में भी नेटवर्क और प्रभाव की भूमिका और बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सीमित अवसर। लिहाजा, यह आक्रोश लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चेतावनी भी है। ऐसे में यदि युवाओं को लगे कि मेहनत का उचित प्रतिफल नहीं मिलेगा, तो सामाजिक असंतोष बढ़ सकता है। इसलिए किसी भी सरकार और व्यवस्था की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वह- भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बनाए, पेपर लीक और भ्रष्टाचार पर कठोर कार्रवाई करे, कौशल आधारित रोजगार बढ़ाए, शिक्षा और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल बनाए, अवसरों को अधिक निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धात्मक बनाए तथा सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में मेरिट को मजबूत करे। साथ ही यह भी जरूरी है कि व्यवस्था की कमियों के खिलाफ आवाज लोकतांत्रिक और रचनात्मक तरीके से उठे। यद्यपि पूरे संविधान, लोकतंत्र या किसी समुदाय के खिलाफ घृणा पैदा करना समाधान नहीं बनता। बल्कि वास्तविक सुधार संस्थागत दबाव, जन-जागरूकता, न्यायिक हस्तक्षेप, पारदर्शिता और राजनीतिक जवाबदेही से आता है। चूंकि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि यही वर्ग व्यवस्था से पूरी तरह निराश हो जाए, तो यह केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक संकट भी बन सकता है। इसलिए 'योग्यता आधारित अवसर' और 'सामाजिक न्याय'- दोनों के बीच संतुलन बनाना आने वाले समय की सबसे बड़ी चुनौती होगी।

केकेआर ने मुंबई को 4 विकेट से हराया

प्लेऑफ की उम्मीदें रखी कायम

नई दिल्ली। केकेआर ने पहले शानदार गेंदबाजी और फिर दूसरी पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ केकेआर ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को बनाए रखा है जबकि मुंबई की इस टीम में ये 13वें मैच में ये 9वीं हार रही। मनीष पांडे को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 65वां मुकाबला ईडन गार्डन स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जा रहा है। अजिंक्य रहाणे की अगुआई वाली केकेआर (कोलकाता नाइट राइडर्स) ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 147 रन बनाए और केकेआर को जीत के लिए 148 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में केकेआर ने 18.5 ओवर में 6 विकेट पर 148 रन बनाकर मैच को जीत लिया।

रोहित शर्मा ने बनाए 15 रन- मुंबई के ओपनर रोहित शर्मा ने सिर्फ 15 रन की पारी खेली जबकि रयान रिकेल्टन ने 6 रन पर अपना विकेट गंवा दिया। नमनधीर तो खाता तक नहीं खोल पाए और पवेलियन लौट गए।

रहाणे ने खेली 21 रन की पारी

केकेआर के कप्तान व ओपनर रहाणे ने 21 रन की पारी खेली जबकि फिन एलन 8 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। कैमरन ग्रीन ने निराश किया और 8 गेंदों पर 4 रन की धीमी पारी खेली। मनीष पांडे ने 33 गेंदों पर 45 रन की शानदार पारी खेली और बुमराह की गेंद पर आउट हुए। रोवमेन पॉवेल ने 30 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली और आउट हुए। तेजस्वी दाहिया ने 11 रन बनाए और अपना विकेट गंवा दिया। रिंकू सिंह इस मैच में 9 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि अनुकूल रॉय 4 रन बनाकर नाबाद रहे।

वैभव सूर्यवंशी अब अभिषेक से आगे

रोहित शर्मा 4 नंबर पर

आईपीएल में 200+ चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 भारतीय

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा ओपनर बैटर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के 64वें मैच में चेज करते हुए 93 रन की तूफानी पारी खेली और टीम को जीत दिलाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। वैभव ने अपनी इस पारी के दौरान 10 बेहतरीन छक्के भी लगाए और वो अब आईपीएल इतिहास में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए और अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वैभव सूर्यवंशी निकले अभिषेक शर्मा से आगे- आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले अभिषेक शर्मा पहले नंबर पर थे, लेकिन लखनऊ के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 10 छक्के लगाकर वैभव सूर्यवंशी ने अब अभिषेक को पीछे छोड़ दिया। आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब वैभव पहले नंबर पर आ गए। उन्होंने अब तक इस लीग में चेज करते हुए 10 पारियों में कुल 42 छक्के लगाए हैं जबकि अभिषेक शर्मा ने 17 पारियों में 41 छक्के लगाए थे। आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर संजू सैमसन हैं जिन्होंने अब तक 15 पारियों में कुल 40 छक्के लगाए हैं जबकि रोहित शर्मा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं जिन्होंने 25 पारियों में 38 छक्के जड़े हैं। केएल राहुल इस लिस्ट में 5वें भारतीय हैं जिन्होंने 200 या उससे ज्यादा का स्कोर चेज करते हुए इस लीग में 22 पारियों में कुल 36 छक्के लगाए हैं।

200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले

टॉप-5 भारतीय

- 42 छक्के : वैभव सूर्यवंशी (10 पारी)
- 41 छक्के : अभिषेक शर्मा (17 पारी)
- 40 छक्के : संजू सैमसन (15 पारी)
- 38 छक्के : रोहित शर्मा (25 पारी)
- 36 छक्के : केएल राहुल (22 पारी

दलीप ट्रॉफी से होगी

BCCI के घरेलू सत्र की शुरुआत

11 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी का पहला चरण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2026-27 घरेलू सत्र के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। नए घरेलू सीजन की शुरुआत 23 अगस्त से दलीप ट्रॉफी के साथ होगी, जबकि देश की सबसे प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी इस बार भी दो चरणों में आयोजित की जाएगी। रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से खेला जाएगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी समेत पूरे घरेलू सत्र का शेड्यूल भी सामने आ गया है। बीसीसीआई इस घरेलू सत्र में पुरुष और महिला वर्ग के अलग-अलग आयु समूहों और सीनियर स्तर पर कुल 1788 मुकाबलों का आयोजन करेगा। इसमें पुरुषों के अंडर-16, अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर टूर्नामेंट शामिल हैं, जबकि महिलाओं के अंडर-15, अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर स्तर की प्रतियोगिताएं भी खेली जाएंगी।

दलीप ट्रॉफी फिर जोनल फॉर्मेट में- दलीप ट्रॉफी की वापसी फिर जोनल फॉर्मेट में होगी। यह टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक खेला जाएगा।

सभी मुकाबले बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित होंगे। इसके बाद रणजी ट्रॉफी विजेता जम्मू-कश्मीर और शेष भारत के बीच ईरानी कप एक से पांच अक्टूबर तक श्रीनगर में खेला जाएगा।

दो चरणों में रणजी ट्रॉफी-

बीसीसीआई के घरेलू कैलेंडर की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से पांच नवंबर तक खेला जाएगा। इस दौरान चार राउंड के मुकाबले होंगे। टूर्नामेंट का दूसरा चरण 17 जनवरी से तीन मार्च 2027 तक आयोजित होगा। इसके बीच सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी खेली जाएंगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 14 नवंबर से छह दिसंबर तक खेली जाएगी। लीग चरण के मुकाबले मुंबई, मोहाली, विशाखापत्तनम और कोलकाता में होंगे, जबकि नॉकआउट मुकाबले नागपुर में खेले जाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार, इस टूर्नामेंट का समय ऐसा रखा गया है ताकि आईपीएल नीलामी से पहले टैलेंट स्काउट खिलाड़ियों पर नजर बना पाएं और अपनी सूची तैयार कर सकें। आईपीएल नीलामी दिसंबर में होने की संभावना है।

दिसंबर में विजय हजारे ट्रॉफी

राष्ट्रीय वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी 14 दिसंबर 2026 से आठ जनवरी 2027 तक खेली जाएगी। बीसीसीआई ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी (अंडर-16) के कार्यक्रम में भी बदलाव किया है। यह टूर्नामेंट नवंबर से जनवरी के बीच खेला जाएगा। बीसीसीआई का मानना है कि इससे खिलाड़ियों को बेहतर तैयारी का समय मिलेगा। इसके साथ ही स्कूल क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को फरवरी-मार्च में होने वाली वार्षिक और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी पर्याप्त समय मिल सकेगा। बीसीसीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि 2026-27 घरेलू सत्र का कार्यक्रम सभी प्रारूपों और आयु वर्गों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए मजबूत और प्रतिस्पर्धी घरेलू ढांचे को आगे बढ़ाने की दिशा में तैयार किया गया है।

लक्ष्य सेन उलटफेर का शिकार

प्रणय भी पहले राउंड से बाहर; मालविका और अश्मिता को मिली जीत

नई दिल्ली। कुआलालंपुर में जारी मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में 20 मई का दिन भारत के लिए निराशाजनक रहा। भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त शटलर लक्ष्य सेन उलटफेर का शिकार हुए। आठवें वरीय लक्ष्य सेन को इंडोनेशिया के दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद जकी उबैदुल्लाह ने मात दी। इसके अलावा वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट एचएस प्रणय भी पहले राउंड में हारकर बाहर हो गए। भारत के लिए इन दो बड़ी निराशा के बीच मालविका बंसोड़ और अश्मिता चालिहा ही उम्मीद की किरण बनकर उभरीं जिन्होंने महिला एकल में अलग-अलग मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई। पुरुष एकल में भारत के सबसे होनहार खिलाड़ी लक्ष्य सेन को जकी उबैदुल्लाह के खिलाफ 17-21, 11-21 से हार झेलनी पड़ी। पहले राउंड में ही हार के बाद वह निराशाजनक तौर पर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

चोट के बाद मालविका की अच्छी वापसी

पैर की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहीं मालविका ने महिला एकल स्पर्धा में जर्मनी की दुनिया की 52वें नंबर की खिलाड़ी यवोन ली को 21-17, 16-21, 21-9 से शिकस्त दी। वहीं दूसरी अश्मिता ने इंडोनेशिया की दुनिया की 56वें नंबर की खिलाड़ी थालिता रमाधनी विरियावान पर 21-16, 21-13 से हराकर आसान जीत दर्ज की। अब मालविका डेनमार्क की आठवीं वरीय लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से भिड़ेंगी जबकि अश्मिता का सामना मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा।

प्रणय समेत अन्य शटलर्स ने भी किया निराश

2023 एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय के हाथ भी पहले राउंड में निराशा लगी। वह जापान के छठे वरीय कोदाई नाराओका के खिलाफ 80 मिनट तक चले मुकाबले में 17-21, 22-20, 22-24 से हार गए। इसके अलावा किरण जॉर्ज फ्रांस के सातवें वरीय एलेक्स लानियर के खिलाफ 15-21, 1-6 से पिछड़ने के बाद रिटायर हो गए। भारत के तरुण मन्नेपल्ली ने एक गेम की बढ़त गंवा दी और चीनी ताइपे के वांग पो-वेई से 21-17, 14-21, 8-21 से हार गए। महिला एकल में अनमोल खरब कड़ा संघर्ष करने के बावजूद डेनमार्क की आठवीं वरीय लाइन क्रिस्टोफरसेन कजर्सफेल्ट से 21-13, 16-21, 19-21 से हार गईं। भारत के आशिथ सूर्या और अमृता प्रमुतेश की मिश्रित युगल जोड़ी शुरुआती दौर में इंडोनेशिया के बॉबी सेतियाबुदी और मेलाती देवा ओक्तावियांती से 13-21, 18-21 से हार गई।

प्लेऑफ का गणित: राजस्थान की किस्मत अपने हाथ

3 टीमें दूसरों पर निर्भर, दिल्ली का बाहर होना तय

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लीग स्टेज में पांच मैच बाकी हैं और 5 टीमें प्लेऑफ की में जगह बनाने की रेस में हैं। हालांकि, असलियत में केवल चार टीमों के पास ही प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना है। दिल्ली कैपिटल्स का रनरेट इतना खराब है कि वह शायद ही प्लेऑफ में पहुंच पाए। बाकी चार टीमों में राजस्थान रॉयल्स की किस्मत अपने हाथ में है। पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स की किस्मत अन्य मुकबालों पर निर्भर है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स की जीत का मतलब यह भी है कि लीग स्टेज के आखिरी दिन 24 मई से पहले प्लेऑफ की जगह तय नहीं होगी।

आइए जानते हैं प्लेऑफ में पहुंचने का गणित

- **राजस्थान रॉयल्स : मैच -14, अंक-14-** लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत के बाद राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अन्य मुकाबलों पर निर्भर नहीं रहना है। अगर राजस्थान रविवार को मुंबई इंडियंस को हरा देती हैं तो वह दूसरे 16 अंकों के साथ प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। अगर गुजरात टाइटन्स और सनराइज़र्स हैदराबाद आखिरी मुकाबला हार जाती हैं तो राजस्थान टॉप-2 में भी पहुंच सकता है। हालांकि, रनरेट को देखते हुए इसकी संभावना बहुत कम है।

- **पंजाब किंग्स : 13 मैच में 13 अंक-** पंजाब किंग्स को न सिर्फ अपने आखिरी मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराना है, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी है कि राजस्थान रॉयल्स से मुंबई इंडियंस जीत जाए और कोलकाता नाइट राइडर्स बेहतर रनरेट के साथ 15 अंक तक न पहुंचे। अगर पंजाब किंग्स शनिवार को जीतती है। राजस्थान अपना आखिरी गेम हार जाती है, और कोलकाता आखिरी मैच जीत जाती है तो पंजाब किंग्स और केकेआर दोनों 15 अंक पर होंगी, इससे रनरेट पर मामला आ जाएगा।

- **चेन्नई सुपर किंग्स : मैच-13, अंक-12-** चेन्नई सुपर किंग्स को चाहिए कि पहले वह गुजरात टाइटंस को हराए। राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स आखिरी मैच हार जाएं। वह रनरेट के मामले में राजस्थान रॉयल्स को पीछे छोड़ सकती है। दिल्ली कैपिटल्स का रनरेट बहुत खराब है। वह शायद ही चेन्नई सुपर किंग्स से आगे निकल पाए।

- **कोलकाता नाइट राइडर्स : मैच-13, अंक-13-** कोलकाता नाइट राइडर्स को रनरेट पर निर्भर रहे बिना प्लेऑफ में पहुंचने के लिए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आखिरी मैच जीतना होगा। यह उम्मीद करनी होगी कि राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स आखिरी मैच हार जाएं। राजस्थान रॉयल्स जीती तो कोलकाता नाइट राइडर्स बाहर होगी। अगर पंजाब किंग्स जीती तो दोनों के 15-15 अंक होंगे।
- **दिल्ली कैपिटल्स : मैच-13, अंक 12-** लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स की जीत से दिल्ली कैपिटल्स की उम्मीदें लगभग खत्म हो गईं। पंजाब किंग्स, चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स 14 अंक तक न पहुंच पाएं तो भी राजस्थान रॉयल्स से रनरेट के मामले में दिल्ली कैपिटल्स को आगे निकलने के लिए 230 रनों से जीत दर्ज करने की जरूरत होगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670